पौष माह, कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 5 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 28 जनवरी 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

भारत-मध्य एशिया सहयोग क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए अहम : मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मध्य एशिया के देशों के साथ भारत के सहयोग को क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अफगानिस्तान के घटनाक्रम के संबंध में हम सभी देशों को साझा रवैया अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो लिंक के जरिए आज कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों की भागीदारी के साथ भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन की पहली बैठक की मेजबानी की। प्रधानमंत्री मोदी ने शिखरवार्ता के खुले सत्र में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि अफगानिस्तान के घटनाक्रम से क्षेत्रीय सुरक्षा को उत्पन्न खतरे को लेकर हमारी साझा चिंतायें हैं। इस संबंध में साझा रवैया अपनाने की आवश्यकता है जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित हो सके। पूर्व सोवियत संघ के विघटन

के बाद अस्तित्व में आए इन मध्य एशियाई देशों के साथ भारत के तीन दशकों के राजनयिक संबंधों को उन्होंने सार्थक बताया। उन्होंने कहा कि संबंधों को व्यापक और मजबूत बनाने के लिए हमें एक महत्वकांक्षी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने अगले तीन वर्षों के आपसी संबंधों के विकास का रोडमैप तैयार करने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के मध्य एशिया के साथ निकट संबंध क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि की आवश्यक शर्त हैं। यह संबंध भारत की विस्तृत पड़ोस नीति का हिस्सा हैं। उन्होंने आपसी सहयोग के लिए एक प्रभावी ढांचा तैयार करने पर जोर दिया ताकि निरंतर संपर्क और संवाद कायम रहे। उन्होंने इस क्षेत्र में संपर्क सुविधाओं को कायम करने एवं उनके विस्तार पर भी जोर दिया। मोदी ने अपने संबोधन में कजाकिस्तान के साथ भारत के पुराने सुरक्षा संबंधों का जिक्र किया तथा उसके साथ संबंधों को भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने उज्बेकिस्तान के साथ भारत के विभिन्न राज्यों के संपर्क सहयोग की भी चर्चा की। मोदी ने कहा कि तुर्कमेनिस्तान क्षेत्रीय संपर्क की स्थिति से भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इस संबंध में उन्होंने क्षेत्रीय देशों के बीच संपर्क सुविधा संबंधी अश्गाबाद समझौते का उल्लेख किया। उन्होंने किर्गिज गणराज्य में भारत की छात्र-छात्राओं के अध्ययन की भी चर्चा की।

ब्रज में शाह की 'वोट साधना'

यह चुनाव भारत के भाग्य का निर्णय करने वाला चुनावः अमित शाह

मथुरा

केंद्रीय गृहमंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने गुरुवार को मथुरा जिले के वृंदावन में भगवान बांकेबिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर के आसपास की गलियों में दुकानदारों और अन्य लोगों से संवाद कर विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए समर्थन मांगा। अमित शाह ने जनसंपर्क के दौरान कहा कि इस बार उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को सिर्फ विधायक के चुनाव की तरह मत समझिये, किसी के मंत्री और मुख्यमंत्री बनने का चुनाव मत समझिए, बल्कि यह चुनाव भारत के भाग्य का निर्णय करने वाला चुनाव है। अमित शाह निर्धारित समय से कुछ विलंब से हेलीपैड पर उतरे और यहां से सीधे वृंदावन में बांकेबिहारी मंदिर रवाना हुए। जहां उन्होंने ठाकुर बांकेबिहारी के चरणों में माथा टेका। इस दौरान मंदिर के गोस्वामी ने अमित शाह को मोरपंख भेंट किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के ऊर्जामंत्री एवं मथुरा सीट से भाजपा के उम्मीदवार श्रीकांत शर्मा मौजूद रहे। दर्शन के बाद अमित शाह ने आसपास के बाजारों में मतदाताओं से सीधा संवाद करते हुए उनसे भाजपा के लिए समर्थन मांगा।

योगी सरकार ने सारे समाज का काम कियाः शाह

अमित शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने से पहले उत्तर प्रदेश की जनता ने सपा और बसपा की सरकारें देखीं हैं। सपा आती थी एक जाती का काम करती थी। बसपा आती थी दूसरी जाती का काम करती थी। कभी किसी ने इस राज्य के विकास का नक्शा नहीं खींचा। भाजपा की सरकार किसी एक जाती की नहीं बल्की सारे समाज की है।

शासन अगर सपा के हाथ में होगा तो गुंडो का राज होगाः शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी अर्थव्यवस्था है। एक बार और आशीर्वाद दे दो देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बना देंगे। शासन अगर अखिलेश के हाथ में होगा तो गुंडो का राज होगा।

मोदी सरकार नहीं होती तो राम मंदिर नहीं बनताः अमित शाह-अमित शाह ने कहा कि एक ही प्रदेश ऐसा है जहां सबसे ज्यादा संत महंत विराजमान हैं। चाहे चित्रकूट हो चाहे काशी हो या फिर वृन्दावन। मोदी सरकार नहीं होती तो राम मंदिर बनता क्या? हमें कहा जाता था कि मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन तिथि नहीं बताएंगे। अखिलेश जी को मैं कहना चाहता हूं कि मंदिर का भूमि पूजन हो गया है। पहले देश की सुरक्षा को सपा-बसपा और कांग्रेस के लोग ताक पर रखते थे। सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्रथमिकता देती है।

कोई चवन्नी नहीं हूं जो पलट जाऊंगाः जयंत चौधरी

रालोद नेता जयंत चौधरी ने कहा कि बीजेपी की नजर मेरी तरफ नहीं है। उन्हें डर सता रहा है कि जनता मेरे साथ जुड़ रही है। हर चुनाव से पहले भाजपा इस तरह की बैठक करती है, लेकिन उससे मिलता क्या है। मैं कोई चवन्नी नहीं हूं जो पलट जाऊंगा। ये कोई हल्की बात नहीं है, हम हल्के लोग नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने इमानदारी से लड़ाई लड़ी है। जब तक उसे मुकाम तक नहीं पहुंचाएंगे हम रास्ते नहीं बदलेंगे। कल जो मीटिंग हुई है उसमें जो लोग गए हैं वो किसानों के शुभचिंतक नहीं हैं।

सपा ने जारी की 56 प्रत्याशियों की तीसरी सूची

समाजवादी पार्टी ने बृहस्पतिवार को 56 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इसमें पूर्वांचल के ज्यादातर पार्टी विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है। बसपा से आने वाले रामअचल राजभर को अकबरपुर से और भाजपा से आए रमाकांत यादव को फूलपुर पवई से उम्मीदवार बनाया गया है। विधानसभा पूर्व अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे को कुल की परंपरागत सीट इटवा से मैदान में उतारा गया है। बसपा से आए लालजी वर्मा को कटेहरी और राकेश पांडे को जलालपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह विनय तिवारी को चिल्लूपार से प्रत्याशी बनाया गया है।

डूबते एअर इंडिया को टाटा का सहारा

नई दिल्ली

एअर इंडिया की कमान टाटा ग्रुप के हाथों में जाते ही इसकी फ्लाइट्स के ऑपरेशन में बदलाव दिखना शुरू हो गया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को एअर इंडिया को टाटा ग्रुप को सौंप दिया। टाटा के एअर इंडिया के हैंडओवर की प्रक्रिया गुरुवार (27 जनवरी, 2022) को आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई। गुरुवार को टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद चंद्रशेखरन ने एअर इंडिया के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने और एयरलाइन के वापस टाटा ग्रुप के पास आने पर खुशी जताई। इसके साथ ही करीब 69 साल बाद एअर इंडिया की कमान फिर से टाटा के हाथों में आ गई है। सरकार ने अक्टूबर 2021 में एअर इंडिया की 100% हिस्सेदारी टाटा को बेच दी थी।

टाटा ने एअर इंडिया का ऑपरेशन संभालते ही शुरू किए बदलावः एअर इंडिया को टेकओवर करते ही पहले ही दिन (27 जनवरी) टाटा ने इसके ऑपरेशन में बदलाव शुरू कर दिया। इसके तहत टाटा ने मुंबई से चार शहरों की एअर इंडिया की उड़ानों में "इनहैंस्ड मील सर्विस" या उन्नत भोजन सेवा शुरू की है। हालांकि अभी तुरंत एअर इंडिया की फ्लाइट टाटा के बैनर तले नहीं उड़ेगी। ऐसा आने वाले कुछ दिनों में होने की संभावना है।

टाटा ने कहा है कि "इनहैंस्ड मील सर्विस" गुरुवार को एअर इंडिया की चार फ्लाइट्स - मुंबई-दिल्ली), मुंबई-दिल्ली, मुंबई-अबू धाबी और मुंबई-बेंगलुरु में शुरू की गई है।

छह राज्यों में घट रहे हैं कोरोना के मामले

नई दिल्ली

देश में जहां कुछ राज्यों में कोरोना के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं वहीं महाराष्ट्र, दिल्ली सहित छह राज्यों में नए मामलों में कमी देखी जा रही है। गुरुवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश और राजस्थान में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं वहीं, कुछ राज्यों में मामले घटना शुरू हो गए हैं। इनमें महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कोरोना के नए मामले ।

खुले बाजार में उपलब्ध होंगी कोरोना वैक्सीन

कोवीशील्ड और कोवैक्सिन अस्पतालों और क्लिनिक से खरीद सकेंगे, अभी दवा दुकानों पर नहीं मिलेंगी

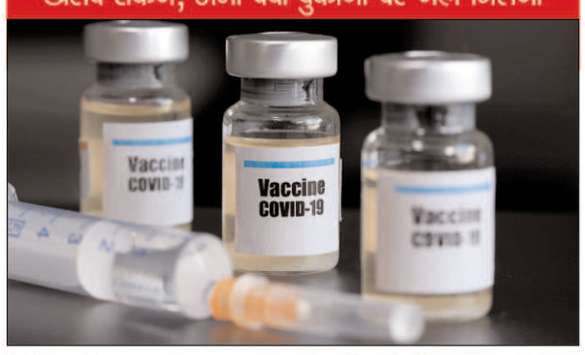

नई दिल्ली

ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने कोवीशील्ड और कोवैक्सिन के वयस्कों में रेगुलर मार्केट यूज को मंजूरी दे दी है, लेकिन शर्तों के साथ। यह अप्रूवल न्यू ड्रग्स एंड क्लिनिकल ट्रायल रूल्स 2019 के तहत दिया गया है। हालांकि, इसका मतलब ये नहीं है कि दोनों कोरोना वैक्सीन जल्द ही दवा दुकानों पर मिलने लगेंगी। इन्हें अस्पतालों और क्लीनिकों से खरीदना होगा। इमरजेंसी यूज के लिए सेफ्टी डेटा डीजीसीआई को 15 दिनों के भीतर देना होता है, लेकिन बाजार की मंजूरी के लिए डेटा छह महीने के भीतर नियामक को देना होगा। मंजूरी मिलने के बाद कोरोना वायरस की इन दोनों वैक्सीन का एक डोज 275 रुपए में मिलने की संभावना है। सर्विस चार्ज के 150 रुपए जुड़ने के बाद हर डोज के लिए एक व्यक्ति को 425 रुपए देने पड़ सकते हैं।

इन शर्तों के आधार पर मिली मंजूरीः कोवैक्सिन और कोवीशील्ड को मार्केट में बेचने के लिए न्यू ड्रग्स एंड क्लिनिकल ट्रायल रूल्स 2019 के तहत मंजूरी दी गई है। फर्म को प्लेटफॉर्म पर देश के भीतर किए गए सभी वैक्सीनेशन रिकॉर्ड करने के अलावा देशभर में चल रहे क्लीनिकल ट्रायल्स और सप्लाई किए जाने वाले वैक्सीन के डोज का डाटा जमा करना होगा। वैक्सीनेशन के बाद होने वाले साइड इफेक्ट पर भी निगरानी रखनी होगी।

कम कीमत पर उपलब्ध होगीः मंजूरी मिलने के तुरंत बाद सूत्रों ने कहा कि दोनों वैक्सीन अब प्राइवेट क्लीनिकों में पूर्व-निर्धारित एमआरपी पर मिलेंगी ।

दिल्ली: वीकेंड कर्फ्यू और ऑड-ईवन का नियम खत्म

नई दिल्ली

दिल्ली में कोरोना नियमों को लेकर हुई डीडीएमए की समीक्षा बैठक में वीकेंड कर्फ्यू, बाजारों के लिए ऑड-ईवन नियम खत्म करने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में मौजूद सूत्रों के हवाले से ये भी खबर है कि दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू तो खत्म कर दिया गया है लेकिन नाइट कर्फ्यू जारी रहेगा। दिल्ली में लगातार घटते कोरोना के मामले और कम होती संक्रमण दर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में ये फैसले लिए गए हैं। डीडीएमए की इस बैठक की अध्यक्षता दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने की।

बैठक में इन नियमों में दी गई ढील

स्कूल व अन्य शिक्षण संस्थान अभी बंद रहेंगे, इन पर डीडीएमए की अगली बैठक में होगा फैसला।

नाइट कर्फ्यू रहेगा बरकरार।

ऑड-ईवन नियम खत्म होंगे।

शादी समारोह में भी 200 लोगों के शामिल होने पर छूट मिलेगी। अभी सिर्फ 15 लोगों के शामिल होने की अनुमति है।

बार और रेस्टोरेंट 50 प्रतिशत सीट क्षमता के साथ खुल सकेंगे।

किसानों की मेहनत से जायद फसलों का बढ़ा रकबाः तोमर

नई दिल्ली

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि बीते तीन वर्षों में जायद फसलों का रकबा 29.71 से बढ़ाकर 80.46 लाख हेक्टे. तक पहुंच गया है। यह किसानों के अथक मेहनत और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के कारण संभव हो पाया है। तोमर ने गुरुवार को ग्रीष्मकालीन अभियान के लिए "राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन" को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन फसलें न केवल अतिरिक्त आय प्रदान करती हैं बल्कि रबी से खरीफ तक किसानों के लिए रोजगार के अवसर सृजित

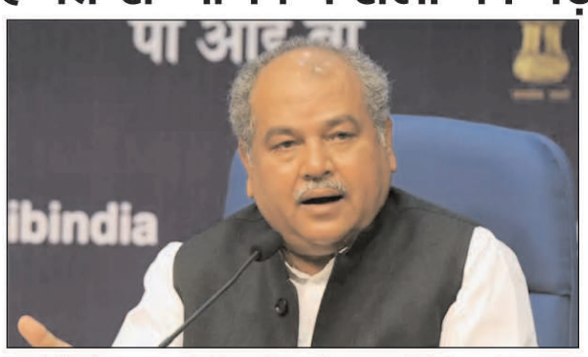

करती हैं और फसल की तीव्रता में भी वृद्धि होती है। सरकार ने दलहन, तिलहन व पोषक-अनाज जैसी ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए नई पहल की है। हमारा उद्देश्य एक ही है कि कृषि उन्नत व लाभप्रद हो, उत्पादकता बढ़े व किसानों के जीवन स्तर में बदलाव आए, जिसके लिए नई इजाद किस्मों का उपयोग भी राज्यों को योजनाबद्ध तरीके से करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि हमारे देश की विविध भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियां है। जिन्हें ध्यान में रखते हुए ग्रीष्म ऋतु की फसलें ज्यादा से ज्यादा ली जानी चाहिए। यह किसानों को कम लागत और कम समय में अतिरिक्त आमदनी देने वाली होती है। राज्यों व किसानों के सहयोग से जायद फसलों का रकबा बढ़ रहा है। किसानों के सहयोग व सरकारी प्रयासों से चावल सहित जायद फसलों का रकबा 2017-18 में 29.71 लाख हेक्टेयर से 2.7 गुना बढ़कर 2020-21 में 80.46 लाख हेक्टे. हो गया है। उल्लेखनीय है ।

लापता युवक को चीन की सेना ने 10 दिन बाद भारत को सौंपा

नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास से लापता युवक को चीन की सेना ने 10 दिन बाद गुरुवार को भारत के हवाले कर दिया है। इस युवक के बारे में सेना की स्थानीय इकाई ने चीन की पीएलए सेना से हॉटलाइन पर संपर्क स्थापित करके मदद मांगी थी। लगभग एक हफ्ते के बाद चीन की सेना ने लापता युवक के मिलने की पुष्टि की, जिसके बाद से दोनों देशों की सेनाओं के बीच युवक को भारतीय सेना के हवाले किये जाने के लिए उचित प्रक्रिया चल रही थी। अरुणाचल प्रदेश के सांसद तापिर गाओ ने 18 जनवरी को ट्वीट कर जानकारी दी थी कि अपर-सियांग जिले से सटी एलएसी से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने जिरो गांव के रहने वाले दो युवकों का

सियुंगला क्षेत्र के लुंगता जोर इलाके से अपहरण कर लिया। चीन की सेना 17 साल के युवक मीरम तारोन को पकड़कर करके अपने साथ ले गई है। इस बीच पीएलए से बचकर भाग निकले मीरम तारोन के मित्र जॉनी यइयिंग ने स्थानीय अधिकारियों को अपने दोस्त के अपहरण के बारे में जानकारी दी। सांसद ने अपहृत युवक की तस्वीरें साझा करके बताया था कि चीन की सेना ने युवक को भारतीय सीमा अरुणाचल प्रदेश से अपने साथ लेकर गई है, जहां 2018 में चीन ने तीन-चार किलोमीटर अंदर तक सड़क बना ली थी। सांसद तापिर ने बताया था कि यह घटना उस स्थान के पास हुई, जहां शियांग नदी अरुणाचल प्रदेश में भारत में प्रवेश करती है। यह दोनों युवक प्राकृतिक जड़ी-बूटियां और सब्जी इकट्ठा करने के लिए जंगल में गए थे। उन्होंने भारत सरकार की सभी 'एजेंसियों' से किशोर की रिहाई के लिए गुहार लगाई थी। उन्होंने इस घटना के बारे में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक को भी जानकारी दी। इस बाबत भारतीय सेना के स्थानीय कमांडर ने 19 जनवरी को चीन की सेना पीएलए से हॉट लाइन पर संपर्क किया और प्रोटोकॉल के अनुसार उसका पता लगाकर उसे वापस करने के लिए सहायता मांगी।

करते रहेंगे अफगानियों की मानवीय सहायताः भारत

न्यूयार्क

अफगानिस्तान और भारत के लोगों का रिश्ता हमेशा से विशेष रहा है और आगे भी इस विशेष संबंध को कायम रखा जाएगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने इस वादे के साथ अफगानियों की मानवीय सहायता के लिए हर संभव मदद जारी रखने की बात कही। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के स्थानीय प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत हमेशा से अफगानिस्तान का सबसे बड़ा क्षेत्रीय विकास भागीदार रहा है। वहां की बदली परिस्थितियों में भी भारत वहां अन्य हितधारकों के साथ समन्वय के लिए तैयार है, ताकि अफगानी नागरिकों को मानवीय सहायता के त्वरित प्रावधान सुनिश्चित किये जा सकें। भारत और अफगानिस्तान के लोगों के बीच विशेष संबंधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के दौर में भारत वहां सक्रिय रहा है। अब बदली परिस्थितियों को देखते हुए भारत आगे भी अफगानिस्तान के लोगों का मार्गदर्शन करना जारी रखेगा। भारतीय राजनयिक ने जानकारी दी कि भारत ने अफगानिस्तान के लोगों के लिए 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं और जीवन रक्षक दवाओं के साथ कोविड टीकों की दस लाख खुराक उपलब्ध कराई हैं। दवाओं और कोविड टीकों सहित सहायता की तीन खेप विश्व स्वास्थ्य संगठन और काबुल स्थिति इंदिरा गांधी बाल चिकित्सालय को सौंपी जा चुकी हैं। तिरुमूर्ति ने साफ कहा कि मानवीय सहायता में तटस्थता, निष्पक्षता व स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर अमल सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सहायता का वितरण सदैव गैर भेदभावपूर्ण और सर्व सुलभ भाव से होना चाहिए। इसमें जातीयता, धर्म या राजनीतिक विचारधारा आड़े नहीं आनी चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर इफको में शान से फहराया गया तिरंगा

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। इफको नैनो यूरिया ने किसानों के हित में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने का काम किया है। ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में भी इफको ने अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है। उक्त बातें बुधवार को 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर इफको के मुक्तांगन में ध्वजारोहण के बाद उपस्थित इफको परिवार को संबोधित करते हुए इफको के इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि इफको संस्था के प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी की प्रेरणा व इफको में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कुशल कार्यशैली व कर्तव्यनिष्ठा के बल पर ही इफको अपने नए उत्पाद नैनो नाइट्रोजन यूरिया का उत्पादन आगामी दिसंबर माह से शुरू कर देगा। जिससे किसान खेतो में रसायनिक खाद का कम प्रयोग कर अधिक उपज प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि पर्यावरण एवं ऊर्जा के क्षेत्र में सतत प्रयत्नशील रहकर इफको ने कई पुरस्कार प्राप्त किया है। ध्वजारोहण के बाद देश भक्ति धुनों पर सुरक्षा जवानों के साथ परेड की सलामी लेते हुए उन्होंने परेड का नेतृत्व कर रहे सूबेदार कमलेश दूबे को पुरस्कृत किया। इकाई प्रमुख ने इफको द्वारा ग्रामीण विकास कार्यक्रम,महिला चेतना क्लब और ओम कल्याण समिति के माध्यम से आसपास के गांवों में हैंडपंप की स्थापना,कंबल वितरण,कक्षाओं का निर्माण, सोलर पैनल लगवाना,युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही कोर्डेट द्वारा किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण देने सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात 10वीं एवं 12वीं के मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। महिला चेतना क्लब द्वारा रेफल ड्रा का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान ओम बाल विद्या मंदिर के बच्चों द्वारा तैयार की गयी प्रस्तुति का प्रसारण भी किया गया।

मौके पर महाप्रबंधक गिरिधर मिश्र, उपमहाप्रबंधक (का0 एवं प्र0) दानवीर सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक संजय भंडारी, के. मोहन राव(संयुक्त महाप्रबंधक), पी.के.सिहं(संयुक्त महाप्रबंधक), पी.के.पटेल(संयुक्त महाप्रबंधक), ए.पी.राजेन्द्रन(संयुक्त महाप्रबंधक), संतोष कुमार शुक्ला(संयुक्त महाप्रबंधक आई.टी.), संतोष कुमार सिंह(उपमहाप्रबंधक वित्त एवं लेखा) इफको ऑफीसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार मिश्र व महामंत्री स्वयं प्रकाश एंव इफको कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय एंव महामंत्री विनय यादव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रबड़े

गणतंत्र दिवस पर इफको में ध्वजारोहण करते इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया

महिला चेतना क्लब द्वारा आयोजित रेफल ड्रा के विजेताओं को पुरस्कृत करते इकाई प्रमुख

झंडारोहण करते हुए वीर सपूतों को किया गया याद

सहसों। देश के 73वें गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को क्षेत्र के स्कूलों कॉलेजों एवं प्रतिष्ठानों तथा संस्थानों में झंडारोहण करके भारत देश के उन वीर सपूतों को जिसने देश की आजादी दिलाई, को नमन व याद किया गया। इसी तरह विकास खण्ड सहसों के कार्यालय थानापुर में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर उपस्थित ब्लाक प्रमुख गीता सिंह ने झंडारोहण कर वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए उनको याद किया एवं उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर विकास खंड अधिकारी बबिता गुप्ता, एडीओ पंचायत नरेंद्र कुमार दुबे, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , हेमंत सिंह, अजय राणा, राजेश सिंह, अश्वनी कुमार, विजय बहादुर, कामरान, अंजलि, कांति, मधु सिंह, उदय भान सिंह, राजन सिंह, एडीओ एम आई गिरजा शंकर यादव एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति तथा ब्लॉक के समस्त कर्मचारी गंण उपस्थित रहे। इसी क्रम में छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों के प्रबंधक एवं जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल ने झंडारोहण कर देश के वीर सपूतों एवं वीरांगनाओं को याद करते हुए राष्ट्रगान गाया, आरडी सिंह एजुकेशनल ऑफ कॉलेज बसमहुआ एवं सुखदेव सिंह महाविद्यालय कसेरूआ में भूमि विकास बैंक फूलपुर अध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह ने झंडारोहण किया एवं विद्यालय के प्रबंधक व फूलपुर के ब्लॉक प्रमुख वीपेन्द्र सिंह पटेल ने देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाने वाले, अपने प्राणों की आहुति देने वाले उन वीर पुरुषों, वीरांगनाओं को नमन करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला एवं राष्ट्रगान गाए। इसी तरह शिवाजी इंटर कॉलेज सहसों में प्रबंधक तीरथ सिंह ने झंडा फहराया, पंडित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज भूपतपुर में प्रबंधक भानु प्रताप ने झंडारोहण किया, स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज कसेरुआ कला में प्रबंधक राजेंद्र बहादुर सिंह झंडारोहण किया, विकास इंटर कॉलेज पाल नगर सहसों में प्रबंधक डॉ जगन्नाथ पाल ने झंडारोहण किया, क्षेत्र के राजाराम तिवारी पूर्व माध्यमिक विद्यालय गुलालपुर में प्रधानाचार्य शिव प्रकाश तिवारी ने तिरंगा फहराया, शालिग्राम दयाराम शास्त्री इंटर कॉलेज गुलालपुर के प्रधानाचार्य डॉ आशुतोष तिवारी ने झंडा फहराया, प्राथमिक विद्यालय एवं पूर्व माध्यमिक जूनियर विद्यालय सहसों में ग्राम प्रधान विष्णु कुमार केसरवानी ने झंडारोहण कर महापुरुषों को याद किया, युवा डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी के कार्यालय सहसों में संस्था के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश केसरवानी ने झंडारोहण किया, हरिओम चैरिटेबल ट्रस्ट सहसों बाईपास पर डॉ अमित यादव ने झंडारोहण किया, खादी ग्राम उद्योग सघन क्षेत्र विकास समिति सहसों में समिति के मंत्री धरणीधर द्विवेदी ने झंडारोहण कर महात्मा गांधी एवं अन्य महापुरुषों को याद किया तथा पुलिस चौकी सहसों में चौकी प्रभारी दयाराम ने झंडारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।

धूमधाम से मनाया गया 73 वां गणतंत्र दिवस

सिरसा / माण्डा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र में 73 वें गणतंत्र दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। कोविड के नियमों के अनुसार सभी सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों में भी पूरी तरह शान-ओ-शौकत के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। 73 वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर ग्रामपंचायत रामनगर के नवनिर्मित पंचायत सचिवालय पर ग्रामप्रधान श्रीमती संगीत देवी यादव पत्नी नीरज सिंह यादव ग्रामपंचायत सचिव जगदीश पटेल एवं ग्रामसभा के सम्मानित के साथ झंडारोहण किया गया।ग्रामप्रधान संगीत यादव ने कहा कि आज के दिन 26 जनवरी 1950 के हमारे संविधान को अंगीकृत किया गया था। प्रधान प्रतिनिधि नीरज सिंह यादव के द्वारा स्वतंत्रता सेनानी शंकर लाल सिंह,अवध नारायण यादव, जटा शंकर सिंह के आश्रतो को साल देकर सम्मान किया गया। समारोह में बिरहा गायक सुश्री प्रीति पाल द्वारा देश भक्ति बिरहा के माध्यम से गीत प्रस्तुत किया। मुख्य रूप से यशवंत सिंह यादव,मोती लाल धनगर,डॉक्टर राम मूर्ति सिंह यादव,अयोध्या प्रसाद विश्वकर्मा, विशम्भर नाथ पटेल,एडोकेट देवानन्द पटेल,इंजीनियर इमितियाज अली आदि लोग रहे। इसी क्रम में एसडी पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज प्रबंधक पंकज सिंह यादव, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर, पुलिस चौकी जवनिया, लक्ष्मी नारायण डिग्री कालेज सिरसा, श्री राम प्रताप इंटर कालेज सिरसा, नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य सिरसा, पुलिस चौकी सिरसा, श्रीधर यादव पीजी कालेज गोशौरा कला,एस के चौधरी कन्या इंटर कालेज सिरसा, सेंट पीटर्स स्कूल सिरसा, जय प्रकाश यादव वरिष्ठ विपणन निरिक्षक उरुवा, रामराज यादव, नगर पंचायत सिरसा चेरमैन श्याम कृष्ण सिंह (पप्पू यादव) एवं सन्मानित सभासद गण , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माण्डा डॉक्टर सुरेश सोनकर, नगर पंचायत भरतगंज, माण्डा पुलिस चौकी, माण्डा ब्लाक, डॉक्टर सत्य नारायण पटेल (सत्तू)ग्रामप्रधान सुरवां दलापुरा,गणतंत्र दिवस मनाया गया। देश के हर नागरिक का कर्तव्य हैं कि हम लोगो को समाज के हर व्यक्ति के साथ सामंजस्य और सहयोग बना कर चलना चाहिए।

मेजा ऊर्जा निगम में मना 73वां गणतंत्र दिवस

निगम कम मूल्य पर उत्पादन कराने के लिए कटिबद्ध : अनिल कुमार

मेजा। ऊर्जा निगम के चंद्रशेखर आजाद परेड ग्राउंड में 73वां गणतंत्र दिवस समारोह कोवीड प्रोटोकॉल के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजा ऊर्जा निगम अनिल कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए और तिरंगा फहराया।उन्होंने मेजा ऊर्जा निगम के आवासीय परिसर में स्थित आजाद परेड ग्राउंड में कर्मचारियों एवं डिजिटल माध्यम से जुड़े हुए अन्य परिजनों और सहयोगीओं को गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सीआईएसएफ एवं आवासीय परिसर के सुरक्षा प्रहरीयों द्वारा मार्च पास्ट का विहंगम दृश्य भी प्रस्तुत किया गया। साथ ही बच्चों के रिकॉर्डेड मनमोहक प्रस्तुति परेड ग्राउंड में लगे एलइडी स्क्रीन पर दिखाई गई। परंपरा के अनुसार इस अवसर पर सीईओ मेरिटोरियस अवार्ड की भी घोषणा की गई एवं कुल 23 कर्मचारीओ को पुरस्कृत किए गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल कुमार ने कहां के मेजा ऊर्जा निगम निरंतर विद्युत उत्पादन कर उसे कम मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने आगंतुकों के सहयोग के लिए बनी मेजा बुकलेट का विमोचन भी किया। कार्यक्रम का अंत अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन अखिल पटनायक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ एवं गुब्बारों के उन्मुक्त आकाश में विमोचन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुरस्कृत कर्मचारी और अध्यक्षा अपराजिता महिला समाज एवं अन्य सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजा ऊर्जा निगमए अध्यक्षा अपराजिता महिला समाज महाप्रबंधक वित्तए अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन एवं अन्य सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चन्द्र शेखर आजाद परेड ग्राउण्ड में ध्वाजारोहण करते निगम के अधिकारी-कर्मचारी

श्रीमती इदिरा गांधी विद्यालय जगौती में हुआ झण्डारोहण

करछना। 26 जनवरी को श्री मती इन्दिरा गांधी बिद्यालय जगौती में 73 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया झण्डा रोहण बृज बिहारी मिश्र दरोगा ने किया। बैठक की अध्यक्षता बिद्यालय के पब्रन्धक डा दिनेश कुमार सोनी ने किया गणतंत्र दिवस पर अपना वकतव्य देने वालों में अरुण कुमार मिश्र राम मणि दिवेदी पवनेश कुमार सोनी शिखा पाण्डेय आनन्द पटवा रंजना विश्व कर्मा आशीष कुमार मिश्र एडोकेट नागेश पाण्डेय अकबाल बहादुर कुशवाहा आशा सोनी आदि शामिल रहे ।

पांच दिवसीय जेपीएल क्रिकेट टूनामेंट आरम्भ

जिला पंचायत सदस्य विजय बाबू ने फीता काट कर किया उदघाटन

खिलाडियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि विजय बाबू यादव

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील क्षेत्र के जगदीशपुर में पाच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता जेपीएल का जिजिला पंचायत सदस्य डाक्टर विजय बाबू यादव ने फीता काट कर उदघाटन किया, जिसमें कई टीमों ने भाग लिया जिसमें उदघाटन मैच डीहा और जगदीशपुर के बीच में खेला गया जगदीशपुर टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले 12 ओवरों में 79 रन बनाए उसके जवाब में डीहा की टीम ने 10 ओवर में 6 विकेट खोकर बढत बना कर उदघाटन मैंच विजेता बनी कप्तान नीलकमल शुक्ला मैंन आफ बनें इस मौके पर नीलू यादव, जीतू सिंह, आकाश सिंह, विकास सिंह, शरद् निषाद, सचिन तिवारी ,उमा शंकर तिवारी, जगदीश सिंह यादव, बाबा, मणि शंकर यादव, तुलसी राम यादव, सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य लोग शामिल रहे।

पहलवान बाबा क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

मुख्य अतिथि नें फीता काट कर किया उदघाटन

अखंड भारत संदेस

करछना। विकास खंड करछना में पहलवान बाबा क्रिकेट क्लब मंदौली वीरपुर में शुभारंभ मैच मुख्य अतिथि के रूप में अभिषेक शर्मा (माला) के द्वारा उद्घाटन किया गया। कैप्टन मन्तोश कुमार उप कैप्टन मानसिंह अरुण यादव महासचिव उपस्थित मे किया गया इस प्रतियोगिता में दर्जन से अधिक टीमों ने प्रतिभाग किया, जिसमें कोविड महामारी के गाइडलाइन का पालन करते हुए एवं मास्क लगा कर खिलाड़ियों नें प्रतिभाग किया । प्रतियोगिता में बडी संख्या में खेल प्रेमी व दर्शक मौजूद रहे हैं।

बुंदावा ने जीता आईडीसीएल कप

जसरा। श्री ईश्वरदीन छेदी लाल इंटर कॉलेज जसरा के ग्राउंड में ईश्वरदीन छेदीलाल स्मारक क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मैच अमरेहा और बुदांवा के बीच खेला गया।मैच राष्ट्रगान के साथ शुरू हुआ।बुदांवा की टीम ने ट्रास जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया और अपने निर्धारित 16 ओवरों में 7 विकेट खोकर 190 रन बनाए और जीत के लिए 191 रन का लक्ष्य रखा। वहीं अमरेहा की टीम ने 13 ओवर में 122 रन बनाकर आल आउट हो गई।बुदांवा की टीम ने 68 रन से फाइनल मैच अपने नाम किया। बुंदावा की तरफ से खेल रहे अरविंद ने सर्वाधिक 21 बॉल पर 53 रन बनाए। वहीं गोलू ने 48 रन और 3 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच रहे। जब कि टूनार्मेंट में आलराऊंडर प्रदर्शन करने वाले सर्वाधिक 125 रन और 7 विकेट के साथ संस्कार ने मैन ऑफ द सीरीज अपने नाम किया।फाइनल मैच में मुख्य अतिथि अमरनाथ गुप्त ने विजेता कप्तान अजान को विनर ट्राफी से सम्मानित किए व उपविजेता टीम के कप्तान सादिक को रनर ट्राफी से सम्मानित किए।कार्यक्रम के आयोजक अंकुर केसरवानी और हिमांशू गौड़ ने विजेता और उप विजेता टीम के साथ ही सभी लोगों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में अंपायरिंग कर रहे संकेत यादव, आशीष पटेल और थर्ड अंपायर के रूप में धर्मेंद्र कुशवाहा व कमेंट्री भोलू शुक्ला और बच्चा पाठक ने पूरे मैच में मौजूद रहे। कार्यक्रम में जय शंकर मिश्र, रतन पाठक,भोले केसरवानी,ज्ञान दीप मिश्र,दीपू पाठक,मनीष पाठक, उज्वल पटेल, अखिल पाठक,हर्षदीप मिश्र सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दास्तान ए तहसील कोरांव : सिस्टम से जाइए सिस्टम से मिलिए

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इस समय जनपद की कोरांव तहसील सुर्खियों में है। न्याय, और अधिकार, हक, के लिए लोग एसडीएम और तहसीलदार के चौखट पर माथा टेकते देखे जा रहे हैं। किन्तु तहसील के दो अधिकारी साल दो साल से कोविड से टूट चुके एवं कंगाल बन चुके किसान वादकारी फरियादियों को एक सिस्टम में डाल दिया है,जिससे लोग परेशान हैं। कुछ तो सिस्टम का अर्थ पूंछ रहे तो कुछ सिस्टम में जा कर काम कर रहे तो कुछ लोग सिस्टम के तहत न मिल कर अपना नुकसान करा रहे हैं। अंततो गतवा सिस्टम का वास्तविक मतलब सीधे सुविधा शुल्क देना बताया गया,जो चर्चा का विषय है। कोराव तहसील में शुरू शुरू में खास तौर से तहसीलदार द्वारा वकीलों को झटका देना शुरू किया, आजिज आने पर वकीलों ने मुंह तोड़ जवाब दिया माह भर धरना चला। एसडीएम तहसीलदार को वकीलों ने चहेटना शुरू किया,तब जाकर सिलेंडर हुए। वकीलों के बजाय सीधे मुवक्किलों से डीलिंग होने लगी।

न्याय अन्याय से कोई मतलब नहीं,दोनों हाथों से चाहिए सुविधा शुल्क, वादकारी, अधिवक्ता, पत्रकार, किसान, प्रधान सब त्रस्त

जिनकी शिकायतें उन्ही को जांच

दरअसल देखा जा रहा है कि लोग शिकायतें तहसीलदार एसडीएम की सासन और जिला प्रशासन से कर रहे हैं लेकिन जांच जिनके खिलाफ हुई है जांचें उन्ही को दे दी गई। न्याय कौन देगा। यह हाल है राजस्व विभाग का और उनके दूसरे सिस्टम का। ग्राम प्रधान अल्हवा ने आइ जी आर एस किया एसडीएम और तहसीलदार के खिलाफ और उनके सिस्टम के विपरित,तो उक्त जांच मिली तहसीलदार को ही। भला सोचिए क्या होगा ,,,,,,,। उदाहरण स्वरूप प्रधान अल्हवा द्वारा एसडीएम,तहसीलदार कोरांव के खिलाफ भू अतिचारियों की मदद संबंधित शिकायत आई जी आर एस संख्या 400017522014649 दिनांक 13 जनवरी 22 को मंडलायुक्त डीएम प्रयागराज को जनसुनवाई पोर्टल से की,लेकिन जांच विभाग ने जिसके विरुद्ध की तहसीलदार को ही सौंप दी। तो जरा देखिए क्या न्याय मिलेगा? फिलहाल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने भी तहसील की वर्तमान कार्य प्रणाली बार बेंच को ले कर ठीक नहीं बताया। और चर्चित सिस्टम को अनुचित बताया।

क्या बोले ग्राम पंचायत के प्रधान संगठन

,, हमने ग्राम पंचायत अल्हवा की बंजर,नवीन परती,रास्ते, चकमार्ग,नदी,नालों,खलिहानों आदि सार्वजनिक भूखंडों को पैमाइस कराकर खाली कराने के लिए तहसीलदार,एसडीएम,डीएम,सीआर ओ,प्रमुख सचिव राजस्व,मुख्यमंत्री लखनऊ तक कई बार शिकायत पत्राचार ग्राम पंचायत,ब्लॉक अफसरों के भी माध्यम से किया, किंतु उक्त तहसील के दोनो अधिकारी कर्मियों से अतिचारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करा रहे। वजह कि अतिचारी सिस्टम में घुसे हैं। भला प्रधान क्यों सिस्टम में जाए। विकास हो गांव का या न हो। भूमिहीनों को पट्टे मिले,या न मिले, अफसरों से कोई मतलब नहीं। हमारी एक प्रधान खजुरी श्रीमती अर्चना केसरी भी सरकारी जमीन खाली कराने को दौड़ रहीं हैं,किंतु तहसीलदार सुनने को तैयार नहीं। क्योंकि अतिचारी सिस्टम में हैं।

अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे मंत्री अखिल भारतीय प्रधान संघ यूपी प्रयागराज मंडल

मजेदार बात तो ये है कि उक्त द्वय अधिकारी चाहे कोटेदार के खिलाफ शिकायतें हों या भू विवाद का,या अन्य मामलों का प्रकरण हो सिस्टम के तहत ही बड़े से बड़े अपराध,अन्याय की शिकायतें आरोपियों के पक्ष में निस्तारित ज्यादातर की जाती हैं। आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाएं तो दी ही नहीं जाती। ग्राम पंचायतों के कई ग्राम प्रधानों आमजन द्वारा भू माफियाओं के खिलाफ दिए गए आवेदनों पर कार्रवाई न करके अतिचारियों के ही पक्ष से लेखपालों कानूनगो आदि स्टॉफ द्वारा सुविधा शुल्क ले ले कर शिकायतों को फ्रीज कर दिया जाता है।

क्या बोले अधिवक्ता संघ के लोग,,,,,,,,

इस समय तहसील कोराव के अधिकारी मनमानी और लूट पाट में मस्त हैं। सिस्टम को लेकर वकील फरियादी सभी त्रस्त हैं।

लल्लन कुमार तिवारी एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन तहसील कोरांव

न्यूज झरोखा

नेदुला की बिटिया की प्रयागराज में हत्या पर आक्रोश

जंघई। प्रयागराज में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रही सरायममरेज थानांतर्गत नेदुला गांव की बेटी की हत्या पर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। कांग्रेस नेता संजय तिवारी ने कहा कि एक ब्राह्मण की बेटी का रेप करने के बाद मर्डर हो गया छोटी-छोटी बात को लेकर देशभर में मोमबत्ती जलाने वाले दिनभर मीडिया पर खबर चलाने वाले कहां गायब हो गए। समाज और नेता खामोश है हालांकि पुलिस ने गिरफ्तारी किया हुआ है हमारी मांग है कुछ परिवार को मुआवजा मिले और दोषियों पर गैंगेस्टर लगाया जाए। नेदुला बाजार में मोमबत्ती जलाकर दिवंगत बिटिया को श्रद्धांजलि व्यक्त किया गया। जिसमें प्रतापपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश पांडेय, देवेंद्र दुबे, आदर्श प्रजापति, राजेश सरोज ग्राम प्रधान नेदुला, मुन्ना पांडे, टीटी एवं उस परिवार के दर्जनों लोग उपस्थित थे।

कोरांव के पथरताल में लाखों की चोरी

कोरांव। थाना पुलिस कोरांव के ग्राम पथरताल में प्रशांत पांडेय अधिवक्ता के घर में चोरों ने घर का तला तोड़ कर और अंदर रखे बॉक्सों को काट काट कर रखे कीमती करीब दो लाख के आभूषण एवं नकदी चालीस हजार रुपए उठा ले गए। बता दें कि पांडेय के परिवार के लोग माघ मेला क्लब्बास में गए हुए थे। चोरों ने प्लानिंग के तहत आधी रात में सुनसान मौका देख काम लगा दिया। और उक्त घटना को अंजाम दे दिया। मौके पर सूचना प्रातः पाते ही इंस्पेक्टर कोराव दल बल सहित पहुंचे और खोजी कुत्ते आदि जांच टीमों को बुलवा कर घटना स्थल की गहन जांच कराई। पूर्व प्रधान रमा शंकर पांडे पथरताल के पुत्र प्रशांत पांडेय ने मेला प्रयाग से आकर थाना कोरांव में अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

चुनाव संचालन समिति बारा बिधानसभा की बैठक सम्पन्न

घूरपुर। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार के बारा, कोरावं, मेजा, करछना के विधानसभा संचालन समिति की बैठक सम्पन्न। झारखंण्ड प्रदेश के संगठन महामंत्री धर्मपाल ने गुरुवार को जीजीएम कान्बेंट स्कूल गौहनिया मे बारा विधानसभा संचालन समिति और जिला पदाधिकारियो की बैठक लेकर विगत कार्यो के विन्दूवार समीक्षा करते हुए चुनाव संचालन समिति के करणीय कार्यो के बारे मे अवगत कराते हुए आगामी योजनाओ को गंभीरता से लेने की बात कही,श्री धर्मपाल ने कहा संचालन समिति ही चुनाव लड़ती और लडाती है। हमे आपको गुजरात प्रदेश का अनुकरण करते हुए बार-बार कमल खिलाकर सरकार बनाने के गुजरात माँडल को लागू कर त्रिदेव के माध्यम से सरकार बनाकर प्रदेश मे निरंतर विकास की धारा बहाना होगा। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने बताया कि बारा के बाद करछना,कोरांव,मेजा विधानसभा के संचालन समिति और उस विधानसभा मे निवास करने वाले जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष,मोर्चो के जिलाध्यक्ष अपेक्षित रहे। बैठक मे प्रमुख रूप से यमुनापार जिला प्रभारी ओंकार केशरी,विधानसभा बारा प्रभारी राजेन्द्र पांडेय,विधानसभा विस्तारक तोयस पांडेय के साथ विधानसभा संचालन समिति,जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष, मोर्चो के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

विकास खण्ड जसरा में मनाया गया गणतंत्र दिवस

जसरा। विकास खंड जसरा में सरकारी, अर्धसरकारी कार्यालयों के साथ ही इंटर कॉलेजों में गणतंत्र दिवस कोरोना काल को ध्यान में रखते हुए धूमधाम से मनाया गया। विकास खंड जसरा में ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह व खंड विकास अधिकारी अमित मिश्र ने ध्वजारोहण किया।बुधवार को कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को दृष्टिगत रखते हुए प्रभातफेरी का कार्यक्रम नहीं किया गया। 73 वां गणतंत्र दिवस बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में अधीक्षक डा०तरुण पाठक,राजकीय पशु चिकित्सालय जसरा में पशु चिकित्साधिकारी डा०सुनील कुमार मिश्र,श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा में उप प्रबंधक सतीश कुमार केसरवानी व प्रधानाचार्य डा०योगेन्द्र सिंह, राजकीय बालिका इंटर कालेज जसरा में प्रधानाचार्या सुकुंती सचान,लालचन्द्र इंटर कालेज जसरा में प्रबंधक जीतेन्द्र केसरवानी व प्रधानाचार्य डा०पी०पी०सिंह, जमुनापार इंटर कालेज अमरेहा में प्रधानाचार्य विजय कुमार पांडेय, केदारनाथ माध्यमिक विद्यालय खटंगिया में प्रबंधक मातादीन मिश्र, राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल जसरा में राजकुमार, पं०मोती लाल पूर्व माध्यमिक विद्यालय जसरा में प्रबंधक सुशील शुक्ल, सत्यनारायण इंटर कालेज कोटवारन का पुरवा में प्रबंधक श्याम सुंदर त्रिपाठी,जयकालादेवी इंटर कालेज पांडर में प्रबंधक भूपेन्द्र त्रिपाठी इसी तरह आर्मी फर्नीचर जसरा में नितिन केसरवानी व सुशील मिश्र, प्राथमिक विद्यालय बुदांवा में प्रधान भीम सिंह पटेल, अमरेहा में प्रधानाध्यापक उपेंद्र द्विवेदी, रेरा में आशीष जायसवाल, तातारगंज में प्रधान बृजेश सोनकर, पचखरा में प्रधान हीरामन सिंह,पांडर में सुरेन्द्र सोनकर,टिकरी ता०कंजासा में प्रधान विजय पटेल ने ध्वजारोहण करके गणतंत्र दिवस मनाया।इस मौके पर प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा,कृपा शंकर त्रिपाठी,शिवम गुप्ता, रावेंद्र तिवारी, आलोक पाठक,सत्यम एकेडमी क्लासेज के संचालक सत्यम दुबे,शिबू मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

चनैनी प्रधान धीतेश को किया गया सम्मानित

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत चनैनी गांव में नागरिकों को कोरोना महामारी के बचाव के लिए चलाए जा रहे हैं टीकाकरण में सराहनीय सहयोग करने पर मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज सिपू गिरि नें चनैनी गांव के प्रधान धीतेश तिवारी को सम्मानित किया, सराहनीय सहयोग करने के लिए गांव वासियों ने गांव के प्रधान को बधाई दी है ।

कचरी प्रधान धर्मराज पटेल को सीडीओ नें किया सम्मानित

करछना। विकास खंड के ग्राम पंचायत कचरी में 100 प्रतिशत कोविड महामारी के बचाव के लिए लगाएं गयें टीका करण कार्य में सराहनीय सहयोग करने के लिए गांव के प्रधान धर्मराज पटेल को मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज नें सम्मानित किया। इस कार्य में सराहनीय सहयोग करने एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज द्वारा सम्मानित किये जाने पर विकास खंड करछना के प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी है ।

खबर संक्षेप

पीपुल्स वेलफेयर सोसायटी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आज

नैनी। पीपुल्स वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालन शिवम अक्षयवट हॉस्पिटल के तत्वधान में नए परिसर स्थित नैनी के पीडीए कॉलोनी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन शुक्रवार सुबह 10:00 से दोपहर बाद 2:00 बजे तक किया जाएगा। इस शिविर में डॉ एके राय एमएस ऑर्थो, डॉ केएन त्रिपाठी एमडी मेडिसन, डॉक्टर करिश्मा शर्मा स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ व अन्य उपस्थित डाक्टरों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। साथ ही निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया जाएगा। यह जानकारी उक्त हॉस्पिटल प्रशासन के द्वारा दी गई है।

मण्डलायुक्त ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय में किया ध्वाजारोहण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल बुधवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय में ध्वाजारोहण किया तथा राष्ट्रगान के बाद उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय सविधान की उद्देशिका की शपथ दिलायी। ह्यह्यहम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों कोः सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली

झण्डारोहण करते मण्डलायुक्त

बंधुता बढ़ाने के लिए दृढसंकल्प ई0(मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, होकर अपनी इस संविधान सभा में संवत दो हजार छह विक्रमी) को आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 एतद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। ध्वजारोहरण के बाद मण्डलायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियां को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी नागरिकों के लिए यह एक बहुत बड़ा दिवस है। आज के दिन ही हमारा संविधान लागू हुआ था। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार प्रदत्त किये गये है। उन्होंने कहा कि विकास की मुख्यधारा में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित हो, प्रत्येक नागरिक धर्म, जाति, क्षेत्रवाद, सम्प्रदायवाद एवं भाषावाद से ऊपर उठकर अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करते हुए देश को विकास के सर्वोच्च शिखर पर ले जाने में अपना पूर्ण योगदान प्रदान करें। इस अवसर पर आयुक्त कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

माघ मेला पर रोक के मामले में हस्तक्षेप से इनकार

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने प्रयागराज माघ मेला में श्रद्धालुओं की भीड़ के स्नान के लिए आने पर रोक लगाने की मांग में दाखिल याचिका यह कहते हुए निस्तारित कर दी कि राज्य सरकार व प्रयागराज मेला प्राधिकरण कोविड पर सरकारी गाइडलाइन का पालन करने के जरूरी कदम उठा रहे हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार के उठाए गए कदमों को देखते हुए मामले में हस्तक्षेप न करते हुए याचिका निस्तारित कर दी। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल एवं न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने उत्कर्ष मिश्र की जनहित याचिका पर दिया है। अपर महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि माघ मेला में आने वाले स्नानार्थियों व श्रद्धालुओं के लिए गाइडलाइन जारी की है। इसके अलावा प्रयागराज मेला प्राधिकरण का गठन किया गया है जो मेले की व्यवस्था तथा एक स्थान पर भीड़ न जुटने पाए, इसकी निगरानी कर रहा है। वह लोगों को सावधानी बरतने व एक स्थान पर भीड़ के रूप में एकत्र न होने और गाइडलाइन का पालन करने की भी सलाह देगा।

न्यूज झरोखा

भाजपा युवा मोर्चा के सिरसा मंडल अध्यक्ष बने अपूर्व मिश्रा

मेजा रोड। भाजपा युवा मोर्चा प्रयागराज के जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडे की संस्तुति पर अपूर्वा मिश्रा उर्फ राजा दोगारी को भाजपा युवा मोर्चा सिरसा मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है, जिसे लेकर समर्थकों में जबरदस्त उत्साह रहा। बुधवार शाम जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडे, मेजा मंडल अध्यक्ष कामेश्वर पटेल, विस्तारक नवनीत मिश्रा ने एक आवश्यक बैठक कर अपूर्वा मिश्रा "राजा दोगारी" का मनोनयन करते हुए सिरसा मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी। इस दौरान जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडे ने बधाई देते हुए पार्टी की मजबूती पर बल देने की बात कही। मनोनयन के बाद राजा दोगारी ने जिला अध्यक्ष सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं तथा विधायक नीलम करवरिया का आभार व्यक्त करते हुए पार्टी को नित नई ऊंचाइयों पर ले जाने की बात कही। इस दौरान विकास तिवारी "विक्की", राहुल मिश्रा रोहित पांडे, आनंद शुक्ला, प्रियांशु मिश्रा, बाबा शुक्ल (टंकन) आशीष तिवारी रोहित दुबे, नित्यानंद पांडे ने मनोनयन के बाद राजा दोगारी को माल्यार्पण करते हुए बधाई दी।

झंडारोहण कर सपा महिला सभा करछना विधानसभा की कार्यकारिणी घोषित : फारिया सिद्दीकी

करछना। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के ऐलान के बाद समाजवादी पार्टी अपने फ्रंटल संगठनों को मजबूत करने में जुटी है. सपा ने महिला वोटरों को अपने पाले में लाने की कोशिश शुरू कर दी है. इसी क्रम में बुधवार को रामपुर स्थित जीवन दीप हॉस्पिटल पर गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में सर्वप्रथम यूथ ब्रिगेड के पूर्व महासचिव डॉ गुलाम मुस्तफा व? यूथ ब्रिगेड के पूर्व जिला उपाध्यक्ष शाहबाज हक, व फारिया सिद्दीकी द्वारा झंडारोहण किया किया गया तत्पश्चात फारिया सिद्दीकी की अध्यक्षता में सपा महिला सभा करछना विधानसभा की कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें बीनू तिवारी, बेनजीर बेगम, साधना यादव, मालती देवी, और सेबिया को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकी सुधा यादव को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई तथा कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सहनूर बेगम को दी गई कार्यकारिणी में ही सूफिया बेगम, कु० आदया सिंह, नगमा बेगम, सीबू बेगम, कंचन देवी को भी करछना विधानसभा सचिव बनाया गया है. इस अवसर पर डॉ गुलाम मुस्तफा, शाहबाज हक, गुलाम कादिर, केशव विश्वकर्मा, मंजीट पटेल, ब्रिजेश यादव, डॉ अफजल, बेनजीर बेगम, कंचन देवी, मालती देवी मो० सैफ अदी लोग उपस्थित रहे।

मुख्यालय में ब्लाक प्रमुख सरोज द्विवेदी ने किया झण्डा रोहण

करछना। विकास खंड करछना मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख श्रीमती सरोज द्विवेदी ने झण्डा रोहण कर गणतंत्र दिवस के 73 वें वर्ष पर सभी ब्लाक कर्मियों को गणतंत्र दिवस पर सम्बोधित करते हुए सभी को राष्ट्र हित में कार्य करने की विस्तार से चर्चा किया ।झण्डा रोहण के उपरांत ब्लाक परिसर में स्वतंत्रता सेनानियों के स्थल पर पुष्प अर्पित किया और राष्ट्रीय एकता की शपथ ली । इस उपरांत खंड विकास अधिकारी करछना राम विलास राय नें राष्ट्रीय गीतों के स्वर से गीत प्रस्तुत करते राष्ट्र भावना का सभी को संदेस दिया ।इस अवसर पर कमलेश द्विवेदी प्रतिनिधि प्रमुख करछना, एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा,सहित सचिव मनीष कुमार यादव, अमित यादव, शिव ओम चौधरी, अब्दुल वारी, महेश कुमार, आदित्य कुमार, संजीव श्रीवास्तव, कमल सिंह, राम सकल ग्राम विकास अधिकारी के अलावा, अल्प नारायण सिंह अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखा परीक्षा एसोसिएशन ईकाई प्रयागराज, मनीष शुक्ला, अतुल कुमार मिश्रा, दुष्यंत प्रताप सिंह, संतोष सिंह, फिरोज अहमद, समर, अरविंद, संजय यादव, रवि, संतोष पाण्डेय पूर्व प्रधान मेडरा, महेन्द्र यादव रोजगार सेवक, सचिन यादव, सहित बडी संख्या में प्रधान वीडीसी एवं ब्लाक कर्मी शामिल रहे।

प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट बेंदौ के सचिव ई.विकास सिंह ने किया झंडा रोहण

करछना। 26 जनवरी 2022 को प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एंड मैनेजमेंट बेंदौ करछना में '73 गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।आयोजन में संस्थान के सचिव ई. विकास सिंह जी तथा निदेशक डॉक्टर सुभाष चंद्र तिवारी और कुलसचिव आशीष तिवारी एवं संस्थान के शिक्षक हिमांशु कुमार द्विवेदी,यच.यल.पटेल, विरेन्द्र सिंह, आशुतोष तिवारी, प्रेम चन्द्र राम,अरविंद पांडेय, नंद सिंह,रविन्द्र सिंह,कुलदीप पटेल, बी.यन. पांडेय,फरहत आरा, सुप्रिया, विवेक सिंह, प्रिया शर्मा, शुभम शुक्ला, मनीष सिंह, विनीत श्रीवास्तव ,महिपाल सिंह, आनंद यादव,नरेंद्र सिंह,राम सूरत बिंद,आर.के.मिश्रा,कोमल सिंह, नीतू तिवारी, नीलेश प्रताप सिंह, उमाकांत यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

जारी। 73 वें गणतंत्र दिवस के मौके पर अपने स्वजातीय धरोहर अरैल धर्मशाला में कान्यकुब्ज भुर्जी भोजवाल समाज यमुनापार के नेतृत्व में 73 वें गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में श्री अखिल भारतीय कान्यकुब्ज/भोजवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय कृष्णदास भोजवाल (नाथूजी) व द्वितीय अध्यक्ष दिनेश चन्द्र भोजवाल(छेदीजी) ध्वजारोहण कर सभा को संबोधित करते हुए ये संदेश दिया कि आज समय आ गया है कि सभी भुर्जी भोजवाल भाई बन्धु संगठित हों जिसका संचालन कर रहें उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री विष्णु भोजवाल, नंदू भोजवाल, भीम भोजवाल जसरा ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द भोजवाल, कौंधियारा ब्लॉक अध्यक्ष राजेश भोजवाल, अरुण कुमार भोजवाल, शिवजी भोजवाल, सुभाष भोजवाल, वरिष्ठ समाज सेवी केशी भोजवाल, जवाहर लाल भोजवाल, दीपक भोजवाल , दीपक भोजवाल अरविंद भोजवाल, भीम राजेश भोजवाल ,विष्णु सुभाष चंद्र भोजवाल, जवाहरलाल भोजवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष आदि लोग उपस्थित रहे।

श्री श्री महावतार बाबा वटवृक्ष के आध्यात्मिक परिसर में मनाया गया गणतंत्र दिवस

साधकों के समक्ष झंडारोहण कर वसुधैव कुटुंबकम का स्वामी जी ने दिया संदेश

अखंड भारत संदेश

झंडारोहण करते क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम व मौजूद साधक

प्रयागराज। क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में बुधवार को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने झंडारोहण कर वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया तथा कोविड के नियमों का पालन करते हुए महावतार बाबा वटवृक्ष के सानिध्य में साधकों के साथ मनाया , क्रियायोग आश्रम में कई देशों के साधकों ने भारतीय राष्ट्रीय गान जन गण मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता गीत मधुर स्वर में गायन किए , राष्ट्रीय गीत से आश्रम परिसर गुंजायमान हो उठा ' बुधवार को झूसी स्थित क्रियायोग आश्रम में जहां महावतार बाबा जी ने स्वयं प्रकट होकर स्वामी श्री युक्तेश्वर जी को ज्ञान दिया था उसी आश्रम परिसर में अंतरराष्ट्रीय क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देते हुए साधकों को गणतंत्र दिवस के सिद्धांतों को समझाया।

18 वर्ष की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कारऔर हत्या के मामले में लेटर पिटीशन दाखिल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सप्ताह भर पहले 18 वर्ष की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार एवं निर्मम हत्या के मामले में बृहस्पतिवार को एक पत्र याचिका दाखिल कर मामले की न्यायिक अथवा सीबीआई जांच की मांग की गई है।इसके साथ ही कमिश्नर प्रयागराज, जिलाधिकारी प्रयागराज, एसएसपी प्रयागराज एवं कर्नलगंज थानाध्यक्ष को घटना का जिम्मेदार मानते हुए सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने को कहा गया है। अधिवक्ता गौरव द्विवेदी की ओर से दाखिल याचिका में प्रयागराज शहर की कानून व्यवस्था पर प्रश्न खड़े किए गए हैं।डीजीपी उत्तर प्रदेश से मिशन शक्ति में सामूहिक बलात्कार एवं हत्या के मामलों में क्या निवारक उपाय लिया जाता यह भी पूछा गया है? इस मामले में जानकारी मांगी गई है। याचिका में कहा गया है कि माघ के पावन महीने में जब पुलिस प्रशासन सबसे अधिक सक्रिय रहता है। तब एक 18 वर्ष की छात्रा के साथ ऐसी दर्दनाक घटना कैसे हो सकती है । प्रयागराज में तहसील फूलपुर की रहने वाली छात्रा ईश्वर शरण कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष में पढ़ाई कर रह थी। वह सलोरी में स्थित गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। 22 जनवरी की देर शाम दवा लेने जाने की बात कहकर हॉस्टल से निकली और फिर नहीं लौटी। उसका फोन भी बंद था। उसकी रूम पार्टनर ने 23 जनवरी को उसके परिजनों को गायब होने की सूचना दी। कुछ पता नहीं चलने पर परिजनों ने कर्नलगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

कुएं में मिला था छात्रा का शव

पुलिस ने गर्ल्स हॉस्टल पहुंचकर जांच पड़ताल की तो पता चला कि सलोरी में ही रहकर तैयारी करने वाले आजमगढ़ निवासी अमन सिंह के साथ कही गई थी। पुलिस ने अमन सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया था कि वह छात्रा से मिलने के लिए सादियाबाद के पास स्थित सुनसान स्थान पर गया था।

परंपरागत रूप से मनाया गया शुआट्स में 73वां गणतंत्र दिवस

अखंड भारत संदेश

नैनी। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर फ्लैग पोस्ट ग्राउण्ड पर मुख्य अतिथि कुलपति मोस्ट रेव्ह प्रो. राजेन्द्र बी. लाल ने झण्डारोहण किया जिसके बाद भी ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया। कोरोना महामारी के कारण कार्यक्रम का आयोजन सादगीपूर्ण तरीके से कोविड-19 गाईडलाईन का पालन करते हुए किया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया व झण्डे को सलामी दी। थियोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने ह्यधन्यवाद तू प्रभु का करह्ल गीत की प्रस्तुति दी।

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र बी. लाल ने भारत के सभी नागरिकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि हमारे पास एक लोकतांत्रिक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का महान लोकतंत्र है जो हमें समानता, स्वतंत्रता का अधिकार देता है। संविधान निमार्ताओं के लिये उन्होंने आभार प्रगट किया। उन्होंने कहा कि यह हम सबका दायित्व है कि हम संविधान की महिमा को बनाए रखें। प्रो. लाल ने कहा कि हमारा प्रत्येक कार्य, अनुशासन के भीतर होना चाहिए और हर अनुशासन से ऊपर नैतिक अनुशासन है। भारत को स्वशासन की आजादी प्राप्त हुई। स्वशासन का अर्थ आत्म-नियंत्रण, आत्म-अनुशासन है, हमें एक-दूसरे का परवाह करनी चाहिये हमारी किसी वजह ये किसी दूसरे को तकलीफ नहीं होनी चाहिये। हमारा चालचलन, व्यवहार, आचरण, समाज में किसी प्रकार की बुराई को पैदा न करे। प्रो. राजेन्द्र बी. लाल ने कहा कि परमेश्वर ने धरती पर मनुष्य रूप में सिखाया है कि अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखो, चोरी न करो, लालच न करो, व्याभिचार न करो। जो गुण आप परमेश्वर में देखना चाहते हैं वही गुण परमेश्वर हम सबमें देखना चाहता है। वो नही चाहता कि हम लालच, भेदभाव, सांप्रदायिकता, ईर्ष्या से भरे हों। इस अवसर पर प्रति कुलपति (शैक्षिक) प्रो0 ए.के.ए. लारेन्स, प्रति कुलपति (प्रशासन) प्रो. एस.बी. लाल, प्रति कुलपति (पीएमडी) प्रो0 रेव्ह. सर्वजीत हरबर्ट सहित, निदेशकगण, डीन एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी व मीडिया प्रभारी डा. रमाकान्त दूबे ने दी।

लॉज के कमरों के दरवाजे तोड़कर घुसी पुलिस, छात्रों को बेरहमी से पीटा, विरोध में पथराव

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। रेलवे की एनटीपीसी (नान टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी) भर्ती परीक्षा के परिणाम में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने मंगलवार को जमकर हंगामा किया। छोटा बघाड़ा में जुलूस निकालने के साथ प्रयाग स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। पुलिस के लाठीचार्ज करने पर उन्होंने पथराव किया। पुलिस ने जब घेराबंदी की तो वे लॉज में घुस गए, जहां पुलिस ने दरवाजे तुड़वाकर उनकी पिटाई की। इसमें कई छात्रों को चोटें पहुंची हैं। दर्जनों छात्र हिरासत में भी लिए गए। रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड के परिणाम में अनियमितता का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थी लंबे समय से आंदोलनरत हैं। मंगलवार को दिन में करीब एक बजे अचानक सैकड़ों प्रतियोगी छात्र छोटा बघाड़ा में एकत्र हुए। फिर जुलूस बनाकर सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए वे प्रयाग स्टेशन पहुंचे। प्रतियोगियों की बड़ी संख्या को देखते हुए पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था तथा दुकानें बंद होने लगीं। स्टेशन पहुंचे प्रतियोगी छात्र कानपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के इंजन के सामने ट्रैक पर बैठ गए। मौके पर पहुंचे जीआरपी के जवानों ने छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे पीछे हटने के लिए तैयार नहीं थे। कुछ ही देर में कई थानों की फोर्स पहुंच गई। पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ा।

माघ मेला क्षेत्र में मेला प्राधिकरण ने बनाए कोविड जांच केंद्र

मेला क्षेत्र के हर प्रवेश द्वार पर बने हैं कोविड जांच केंद्र, राजेंद्र कुमार दुकान जी ने लोगों को किया जागरूक

प्रयागराज। देश मे फैले कोरोना ओमीक्रोन को देखते हुए प्रयागराज मे चल रहे माघमेला मे मेला प्राधिकरण ने कोरोना जैसे महामारी से बचने के लिये जगह-जगह पर आपके सुविधा के लिये कोरोना जाँच वैक्सीन केम्प स्वास्थ्य विभाग के डाक्टर द्वारा लगाये गये जिससे जो वैक्सीन नहीं लगाये या दूसरी डोज नही लगाये वो अवश्य लगाये जिससे मेला छेत्र मे कोरोना को फैलने से रोका जा सके साथ ही बाहर से आने वाले सभी सन्त महात्मा कल्पवासियो तीर्थयात्रियों से आग्रह है मेला मे प्रवेश करने से पहले मास्क का प्रयोग अवश्य करे साथ ही सासन प्रसासन स्वास्थ्य विभाग मेला प्राधिकरण नगर निगम के दिये गये गाईड लाईनो का पालन करे अगर किसी प्रकार की कोई परेशानी दिक्कत हो तो तुरन्त डाक्टर की सलाह ले आपके जागरूक के लिए मेला प्राधिकरण होल्डिंग्स बैनर जगह जगह पर गडियो के माध्यम से पूरे मेला छेत्र मे प्रचार-प्रसार वाहन से आपको जागरूक कर रही है कसी कडी मे मेला प्राधिकरण के सहयोग से अन्तराष्ट्रीय कलाकार समाजसेवी राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी स्वच्छता और कोरोना परिधान पहनकर पूरे मेला छेत्र मे घूम घूम कर कैम्पों पंडालों में जा कर कोरोना जैसे महामारी से बचने के लिये मास्क का वितरण करते हुये लोगों को मास्क अवश्य लगाये रखने की अपील कर रहे हैं जिससे ईस महामारी से बचे रहे और पूरा मेला सकुशल सम्पन्न कराने मे पूरा सहयोग करे।

प्रो. वासुदेव सिंह स्मृति न्यास की ओर से 15वीं पुण्यतिथि पर ऑनलाइन संगोष्ठी सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हिन्दी के सुप्रतिष्ठित साहित्यकार, समीक्षक, शिक्षक, अनुसंधायक, इतिहासवेत्ता, कोशकार और भाष्यकार प्रो. वासुदेव सिंह की पन्द्रहवीं पुण्यतिथि पर 'प्रो. वासुदेव सिंह स्मृति न्यास' की ओर से आयोजित संगोष्ठी स्वाधीनता आंदोलन का अमृत महोत्सव और पत्रकारिता का प्रदेय में बोलते हुए भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हम आजाद भारत के एक ऐतिहासिक कालखण्ड से वाकिफ हो रहे हैं। आजादी के लिए हजारों भारतीय तपस्यारत रहे। आजादी का अमृत महोत्सव मनाना हमारे लिए गौरव का विषय है। पत्रकारिता दुनिया के सबसे पुराने कार्यों में से एक है। समाज में तीव्र परिवर्तन पत्रकारिता से ही सम्भव है। पत्रकारिता का उद्देश्य आम नागरिकों के हितों की रक्षा करना है। स्वतंत्रता आन्दोलन के समय से ही मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, इसीलिए मीडिया को बड़े विश्वास से लोग देखते हैं। आज सूचना प्रौद्योगिकी ने पूरी दुनिया को बदल कर रख दिया है। मौजूदा समय बदलाव का समय है। आज सकारात्मक खबरों की जरूरत है। सोशल मीडिया के दौर में सूचना और समाचार में अन्तर को हमें समझना पड़ेगा। सूचना पत्रकारिता नहीं है। उन्होंने पत्रकारिता के ऐतिहासिक पहलू पर भी प्रकाश डाला। वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव ने अपने उद्बोधन में कहा कि हर क्षण अपने सफर का आकलन कर लेना चाहिए। सोशल मीडिया के स्याह पक्ष भी हैं। सोशल मीडिया की प्रवृत्ति अनियंत्रणीय है। पोस्ट ट्रूथ के इस युग में फैक्ट चेकर्स भी आ गए हैं, जिसका उपयोग करना हमें आना चाहिए। आज मुख्य मीडिया में एक बड़ा हिस्सा प्रचारकारिता और दूसरा हिस्सा विरोधकारिता कर रहा है। मीडिया में स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता होनी चाहिए। भारतीयों को बहुलताओं और विविधताओं में जीने की आदत ही उसकी विशिष्टता है। राहुल देव ने भारत की कई चुनौतियों को बताते हुए कहा कि हिन्दू-मुस्लिम, अगड़ा-पिछड़ा-दलित आदि विभाजनकारी रेखाएँ हैं। आज के भारत के प्रदेय से ही पत्रकारिता का प्रदेय तय होगा। प्रो. उमापति दीक्षित ने कहा कि स्वाधीनता आन्दोलन के समय पत्रकारिता अपने अमृत रूप में थी। पहले खबर को बताना पत्रकारिता थी, आज अपने अनुकूल खबर को बताना और छिपाना ही पत्रकारिता हो गई है। लेकिन सत्य एक ऐसा विस्फोट है, जो बाहर आएगा ही। अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. खेम सिंह डहेरिया ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पत्रकारिता का जो स्वरूप स्वतंत्रता के पूर्व था, उसमें निरन्तर ह्रास हो रहा है। बाजारवाद के प्रभाव ने उसके आदर्श और मौलिक स्वरूप को विकृत कर दिया है। आज मीडिया द्वारा सत्य नहीं, स्वाद परोसा जा रहा है। पत्रकारिता सत्ता पर बैठाने और उतारने का माध्यम बनने लगी है। कार्यक्रम में प्रो. वासुदेव सिंह स्मृति न्यास के सचिव डॉ. हिमांशु शेखर सिंह ने न्यास के कार्यों पर प्रकाश डाला। स्वागत-भाषण श्री सुधांशु शेखर सिंह तथा संचालन प्रो. श्रद्धा सिंह और मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर यूजीसी केयर में शामिल शोध पत्रिका 'नमन' का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी में प्रो. शिवप्रसाद शुक्ला, प्रो. सुधाकर सिंह, डॉ. किरण सिंह, डॉ. भारती सिंह, डॉ. संध्या द्विवेदी, डॉ. वसुन्धरा उपाध्याय, डॉ. अलीम खान, डॉ. प्रीति सिंह, पंकज कुमार यादव, डॉ. विष्णु प्रसाद शुक्ल, भूप नारायण सहित पत्रकारिता एवं हिन्दी साहित्य के प्रबुद्धजन और शोधछात्रों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

राष्ट्र को आगे बढ़ाने हेतु अपने मताधिकार का करें प्रयोग : जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस लाइन के प्रांगण में 73वें गणतंत्र दिवस का आयोजन भव्य तरीके से मनाया गया जिसमें जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने पुलिस लाइन में ध्वजारोहण किया एवं आयोजित भव्य पुलिस परेड की सलीम ली। उन्होने इस अवसर सभी शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों, आन्तरिक सुरक्षा में लगे हुये सभी पुलिस जवानों, अधिकारियों/कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें दी। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने आरक्षियों को भारतीय गणतंत्र का संकल्प की शपथ दिलायी।

जिलाधिकारी ने कोविड के कार्य में सामाजिक दूरी का पालन कराने, कोरोना कर्फ्यू में अथक परिश्रम करने वाले पुलिस के अधिकारियों, कर्मचारियों, जवानों को बधाई एवं धन्यवाद भी दिया। जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस के दिन सराहनीय कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह प्राप्त करने वाले पुलिस के अधिकारी, पुलिस के जवानों को बधाई दी और कहा कि जिस तरीके से उन्होंने अनुकरणीय कार्य अपनी पुलिस की नौकरी में किया है वह प्रशंसनीय है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से इस अवसर पर सराहनीय कार्य हेतु पुलिस उपाधीक्षक डा0 अतुल अंजान त्रिपाठी व पुलिस उपाधीक्षक अभय कुमार पाण्डेय को सिल्वर मेडल व प्रमाण पत्र, मुख्य आरक्षी गंगा सागर को सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह शौर्य व प्रमाण पत्र एवं राजकुमार सिंह को पुलिस पदक एवं स्क्रोल व प्रमाण पत्र का वितरण किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित परेड में महत्वपूर्ण योगदान हेतु परेड कमाण्डर प्रथम विनय प्रभाकर साहनी, द्वितीय रामजनम व तृतीय रमाकान्त शुक्ल को प्रशस्ति पत्र एव स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल व मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया को स्मृति चिन्ह सप्रेम भेट की गयी। जिलाधिकारी द्वारा भी पुलिस अधीक्षक को स्मृति चिन्ह सप्रेम भेट की गयी। उधर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट प्रांगण में ध्वजारोहण करने के उपरान्त राष्ट्रीय गान का सामूहिक गान करते हुये वहां पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों को भारतीय गणतंत्र के संकल्प तथा स्वच्छता की शपथ दिलायी एवं जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्राचार्य श्याम सुन्दर शुक्ल श्यामजी को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इस दौरान जनपद न्यायाधीश संजय शंकर पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर पुलिस लाइन में डीएम ने किया ध्वजारोहण

एसपी सतपाल अंतिल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते डीएम डा0 नितिन बंसल।

शहीद स्थल रूर में फहराया गया तिरंगा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। क्षेत्र में गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहीद स्थल जरूर में उप जिलाधिकारी पट्टी ध्वजारोहण कर वीर शहीदों की शहादत को याद किया कार्यक्रम में क्षेत्र के कई संभ्रांत लोग मौजूद रहे। सुबह 10 बजे उप जिलाधिकारी पट्टी देशदीपक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे उन्होंने किसान आंदोलन के शहीदों को पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी और ध्वजारोहण किया। उधर पट्टी नगर स्थित राजीव गांधी कंप्यूटर साक्षरता मिशन संस्थान पर मौजूद छात्र छात्राओं के साथ संस्थान के प्रबंधक दीपक वर्मा ने ध्वजारोहण करके वीर शहीदों की शहादत को याद किया।

छात्रों पर बर्बर लाठी चार्ज तथा छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना शर्मनाक : प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने देश की राष्ट्रीय विकास दर के लगातार मध्यम पड़ने व प्रदेश मे छात्रों पर बर्बर लाठी चार्ज एवं प्रयागराज मे छात्रा के साथ हैवानियत की तल्ख आलोचना की है।

गुरूवार को रामपुरखास के दौरे पर पहुंचे वरिष्ठ पार्टी नेता प्रमोद तिवारी ने लालगंज मे मीडिया से वार्ता के दौरान कहा कि हाल ही मे अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की सलाहकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र को सौंपी गयी रिर्पोट मे भारत की 2021-2022 की ताजा राष्ट्रीय विकास दर मे प्रतिशत के आधार पर लगातार कमी होने को चिन्ताजनक करार दिया है। बकौल प्रमोद तिवारी मंगलवार को आईएमएफ द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के तहत सौपीं गयी रिर्पोट के जरिए कहा गया है कि कोरोना के ओमिक्रॉन के बीच यह विकास दर अभी और प्रभावित हो सकेगी। वहीं श्री तिवारी ने प्रयागराज मे पुलिस द्वारा बर्बर तरीके से छात्रो के लॉज मे घुसकर लाठी चार्ज की घटना को भी अमानवीयता की पराकाष्ठा कहा है। श्री तिवारी ने कहा कि रोजगार की मांग कर रहे छात्रों को उनका अधिकार देने के बजाय प्रदेश की योगी सरकार पुलिस लाठीचार्ज के जरिए जले पर नमक छिड़क रही है।

सीडब्ल्यूसी मेंबर ने राष्ट्रीय विकास दर के लगातार मध्यम होने पर भी जतायी चिन्ता

कुश्ती और रेस के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के तत्वावधान में हुई थी क्रीड़ा प्रतियोगिता

प्रतापगढ़। 26 जनवरी को भंगवा गांव में हुई कुश्ती, दौड़, लांग जम्प में अव्वल आये खिलाड़ियों को बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी की तरफ से सम्मानित किया गया। असहाय और जरूरतमंद छात्रों की शिक्षा में मदद के साथ साथ खेल प्रतिभाओं को निखारने में तत्पर बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के तत्वावधान में भंगवा गांव में 26 जनवरी पर खेल प्रतियोगिता हुई। जिसमें प्रदीप 100 मीटर रेस, नितेश 200 मीटर, सत्यम और प्रदीप ने 50 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुश्ती में सर्वेश 40 किलो भार, शिवम 35 किलो और सत्यम ने 30 किलो भार के विपक्षी पहलवानो को पटखनी दी। साहिल, लवकुश लांग जम्प में अव्वल आये। विजेता खिलाड़ियों को सहयोगी अरुण मिश्रा ने पुरस्कार बांटा। उन्होंने खिलाड़ियों की मदद का भरोसा दिया। अध्यक्षता संजय मंतोष सिंह ने की। संचालन शनि सरोज ने किया। कार्यक्रम में वीके तिवारी, मोहम्मद अनीस, अश्विनी केसवानी, सतेंद्र मोदनवाल समेत ग्रुप के कई सहयोगियों ने योगदान किया।

प्रो0 शिवाकांत ओझा के भाजपा में आने से राजनीतिक समीकरण बदले

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पूर्व मंत्री प्रो0 शिवाकांत ओझा के भाजपा में आना पुराने घर में लौटने जैसा है। श्री ओझा ने अपने राजनीति की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी से की थी और भाजपा सरकार में ही वह चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री बने थे लेकिन भाजपा से बसपा में जाकर लोक सभा का चुनाव लडे. थे जहां हार मिलने पर उन्हें बसपा से निकाल दिया गया था। तब से वह समाजवादी पार्टी में लगातार थे और 2012 में सपा उम्मीदवार के रुप में रानीगंज से विधायक बने और सपा सरकार में वह वरिष्ठ मंत्री बने।

2017 में वह भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा से चुनाव हार गये फिर भी समाजवादी पार्टी में बने रहे। 2017 से 2021 तक समाजवादी पार्टी में रहे लेकिन समाजवादी पार्टी के रानीगंज में हुई सभा में पूर्व मंत्री प्रो0 ओझा के विरुद्ध कुछ लोगों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर हंगामा हो गया था जिसमें कई नेताओं ने मारपीट करने व मंच से धकेलने की एफआईआर दर्ज भी कराई थी। इस घटना से सपा का प्रदेश नेतृत्व प्रो0 शिवाकांत ओझा से नाराज हुआ था फिर भी लोगों को आशा थी कि इस समाजवादी पार्टी से वरिष्ठ नेता व प्रो शिवाकांत ओझा को समाजवादी पार्टी से टिकट अवश्य मिलेगा, लेकिन जब रानीगंज से समाजवादी पार्टी का टिकट विनोद दुबे को दिया गया तो इससे उनका धैर्य टूट गया और वह गुरुवार को दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। उनके भाजपा में शामिल होने से जिले की राजनीति का समीकरण बदल गया है। चर्चा है कि उन्हें रानीगंज से भी टिकट दिया जा सकता है लेकिन जिन धीरज ओझा ने प्रो0 ओझा को पराजित किया था, आज धीरज ओझा का टिकट काटकर प्रो0 ओझा को टिकट देना भाजपा कितना उचित समझती है, यह तो समय ही बताएगा लेकिन बदले राजनीतिक समीकरण में भारतीय जनता पार्टी वही कदम उठाएगी जो इसके पक्ष में होगा।

रानीगंज से टिकट मिलने की चर्चा

प्रो0 शिवाकांत ओझा।

कई स्कूलों में बच्चों को बुलाकर कोविड नियमों की उड़ाई गई धज्जियां

अधिकांश स्कूलों में नहीं आए बच्चे

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इस बार कोरोना के चलते ज्यादातर स्कूलों में गणतंत्र दिवस मनाने बच्चे नहीं आए। शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण कर 73वां गणतंत्र दिवस मनाया लेकिन कई विद्यालयों में जिसमें राजकीय विद्यालय भी शामिल हैं, कोविड नियमों तथा शासन के निदेशों की खुली अवेहलना करते हुए बच्चों को बुलाकर कार्यक्रम कराए गए।

गांव के स्कूलों में तो छोटे-छोटे बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। शहर के अम्बेडकर चैराहे के निकट एक प्रतिष्ठित स्कूल में कक्षा-9 से 12 तक के बच्चों को बुलाकर गणतंत्र दिवस मनाया गया। गोडे. गांव में भी एक प्रतिष्ठित स्कूल में बच्चे बुलाये गये थे। भुपियामऊ के एक स्कूल में सभी बच्चों को बुलाकर कार्यक्रम कराया गया। हद तो तब हो गई जब एक सरकारी स्कूल में शहर के कुछ स्कूलों के बच्चों को बुलाकर कार्यक्रम कराया गया। इसको लेकर शासन और प्रशासन का निर्देश मानने वाले स्कूल संचालकों में इस बात का मलाल रहा कि यदि शासन प्रशासन कुछ बच्चों को बुलाने का अनुमति देता तो कोविड का पालन करते हुए गणतंत्र दिवस मनाया जा सकता था लेकिन निर्देश न मिलने के बावजूद सरकारी अधिकारी व कुछ बडे. विद्यालय बगच्चों को बुलाकर कार्यक्रम करें तो सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या उन्हें कोविड के नियमों का पालन नहीं करना चाहिये। इसको लेकर अधिकारी मूकदर्शक बने रहे। बिना नाम छापने पर कुछ ने कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व था। कुछ लोगों ने अपने विवेक से काम लिया है।

इस तरह बच्चों की उपस्थिति में स्कूल में मनाया गया गणतंत्र दिवस।

विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने जिला कारागार का किया वर्चुअल निरीक्षण

बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति किया गया जागरुक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देश व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में आज जिला कारागार का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने वर्चुअल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपजेलर अवधेश कुमार राय द्वारा बताया गया कि जिला कारागार में 1211 बन्दी निरूद्ध है जिसमें 1082 विचाराधीन बन्दी है इसमें 22 महिला तथा 1060 पुरूष बन्दी शामिल है। सिद्धदोष बन्दियों की संख्या 129 बतायी गयी जिसमें 06 महिला बन्दी व 123 पुरूष बन्दी शामिल है। जेल अस्पताल में कुल 19 बन्दियों का उपचार चल रहा है। यह भी बताया गया कि जिला कारागार में एक विचाराधीन बन्दी व एक सिद्धदोष बन्दी कोरोना पाजिटिव पाये गये है, जिन्हें अन्य बन्दियों से अलग रखा गया है। जिला कारागार को पूरी तरह से सेनेटाइज कराया जा चुका है। प्रतिदिन जेल में बन्दियों के लिये कोरोना की जांच की व्यवस्था है। जिला कारागार में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को कोरोना की बूस्टर डोज लगा दी गयी है। वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से बन्दी सत्यम, जमीर, साजिद, सचिन सरोज, सुरेश, शशि कुमार ने बताया कि उनके मुकदमें की पैरवी उनके निजी अधिवक्ता कर रहे है। इस अवसर पर सचिव द्वारा बन्दियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

सीडीओ ने पौष्टिक आहार का किया वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने जिला महिला मेडिकल कालेज एवं आंगनबाड़ी केन्द्र पूरेराजू में अति कुपोषित बच्चों एवं उनके परिवारजनों के साथ गणतंत्र दिवस का पावन पर्व मनाया तथा महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित कर बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिये सर्वप्रथम माँ का दूध पिलाने का आग्रह किया और कहा कि बच्चे कुपोषित न हो इसके लिये माँ को बच्चों का ख्याल रखना चाहिये, उन्हें पौष्टिक आहार समय-समय पर देते रहना चाहिये। माँ बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में अच्छे से जानती है इसलिये बच्चों को समय-समय पर दूध, फल, भोजन आदि देना चाहिये। जिला कार्यक्रम अधिकारी पवन कुमार ने कहा कि बच्चों का देखभाल अगर सबसे अधिक कोई करता है तो वो माँ होती है। इस अवसर पर सीडीपीओ उदय मिश्रा, किरण मिश्रा, नीलम आदि मौजूद रहे।

सीएचसी में कम्प्यूटर व ब्लोअर चोरी

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात चोरों ने दुस्साहसिक चोरी की घटना को अंजाम देते हुए स्थानीय सीएचसी से दो कम्प्यूटर व ब्लोअर आदि के कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। मंगलवार की रात सीएचसी के प्रथम तल स्थित कार्यालय के कमरे का ताला तोडकर बदमाशो ने हजारों कीमती कम्प्यूटर व ब्लोअर उड़ा लिये। बुधवार की सुबह जब अस्पतालकर्मियों ने चोरी की घटना देखी तो आवाक रह गये। घटना को लेकर अधीक्षक डा. अरविंद गुप्ता ने बुधवार को कोतवाली मे अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है जांच कराकर जल्द ही घटना का खुलासा किया जायेगा।

मदरसा गुलशने मदीना में हुआ कौमी तराना का आयोजन

मदरसा गुलशने मदीना में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मदरसा दारुल उलूम गुलशने मदीना, पल्टन बाजार में भी 73वां गणतंत्र दिवस का आयोजन धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मदरसा के प्रबंधक मेराज अहमद व प्रधानाचार्य मुख्तार अहमद हबीबी ने ध्वजारोहण किया और सलामी दी। इस दौरान कौमी तराना का भी आयोजन किया गया। इस दौरान प्रबंधक मेराज अहमद ने गणतंत्र दिवस के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी। कौमी तराना कार्यक्रम का संचालन मुख्तार अहमद हबीबी ने किया। इस दौरान मदरसा के बच्चों ने भी नात पढे। इस मौके पर मौलाना समीउल्ला, मौलाना अख्तर, मौलाना सलीम, मौलाना अनीस, मौलाना रेहान, मौलाना इरशाद, मौलाना निसार, मौलाना एजाज, मोहम्मद महताब, मास्टर फिरोज, मास्टर रिजवान, मास्टर कदीम, हुशनुमा अफरोज, रुखसार बानो, जीनत अंजुम आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रैक्टर के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज पुलिस ने थाना क्षेत्र के मुरस्सापुर गाँव मे बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे खेत मे ट्रैक्टर ले जाने के मामले में दो पक्षो में मारपीट के मामले में तहरीर मिलने पर दोनों पक्षो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। जानकारी करने पर थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने बताया कि मुरस्सापुर गाव निवासी सिराज अहमद पुत्र कल्लू खान बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे दूसरे के खेत से अपने खेत ट्रैक्टर ले जा रहे थे किआरोपीगणों ने ट्रैक्टर ले जाने से मना करने पर भद्दी भद्दी गाली देते हुए मारपीट किया जिस पर पुलिस ने दोनों पक्ष से रिपोर्ट दर्ज की गई है।

स्कूल-कालेजों तथा नगर पालिका में हुआ गणतंत्र दिवस समारोह

नपा अध्यक्षा ने नगर पालिका में दिलाई स्वच्छता की शपथ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका ने नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए 73वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर उन्होंने संविधान के मूल कर्तव्यों तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई। अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने सभासद श्रीनाथ यादव के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, आरआई लाल बहादुर सिंह, राजेश बिंद, स्वच्छ भारत मिशन के वरुण कुमार सिंह व आशीष मिश्रा के अलावा प्रशांत सिंह, मिथिलेश सिंह, सुरजीत सिंह, अनिल शुक्ला व सभासद ज्ञानेश मिश्र, गायत्री शुक्ला आदि रहे।

इस बार भी अधिकांश स्कूलों में बिना बच्चों के राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। कटरा रोड स्थित न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल व एंजिल्स कालेज में चेयरपर्सन डा0 शाहिदा ने ध्वजारोहण किया। नगर के नया माल गोदाम रोड स्थित हैप्पी टाइम स्कूल में चैलेंजर कोचिंग के संचालक सलाउद्दीन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक शैलेन्द्र मिश्र, प्रधानाचार्य अरुणा चाल्स, कंचन मिश्रा, रितु शुक्ला, सीमा पटेल, हर्षिता, उमेश श्रीवास्तव आदि रहे। इसी प्रकार बिहार ब्लाक के खटवारा के चंदन का पुरवा में छात्र अमिता वर्मा के संयोजन में आयोजित गणंतत्र दिवस कार्यक्रम में तिलक इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य शीतला प्रसाद तिवारी व भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सरस्वती शिशु मंदिर चिलबिला पूर्वी में भारतीय गणतंत्र की 73वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

मुख्य अतिथि विद्यालय के सह व्यवस्थापक मुरारी लाल उमरवैश्य ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह की अध्यक्षता हर्षित जायसवाल ने की। प्रधानाचार्य दिग्विजय नाथ पाण्डेय ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर शिशु भारती अध्यक्षा सृष्टि पाण्डेय, भावना शुक्ला, प्रीती सिंह, विभा शुक्ला, सुषुम तिवारी, आचार्य बृजेश तिवारी आदि रहे। बृजेश तिवारी ने आभार जताया। परियावां प्रतिनिधि के अनुसार 73वां गणतंत्र दिवस का पर्व ग्रामीणांचल क्षेत्र में सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें डिग्री कालेज कालाकांकर के प्राचार्य शिवम श्रीवास्तव व राजभवन कालाकांकर के मैनेजर डॉ घनश्याम यादव ने भारतीय समयानुसार ध्वजारोहण करते हुए सभी स्टाफ के साथ तिरंगे को सलामी दिया। इसी क्रम में ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर में बीडीओ अपर्णा सैनी, नवाबगज कोतवाली में थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह, पंचायत भवन परियावां व प्राथमिक विद्यालय में ग्राम प्रधान पति अनिल कुमार मौर्य, प्राइमरी एवं मीडिल स्कूल परसई व सूबेदार का पुरवा में ग्राम प्रधान विकास कुमार सोनकर ने ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण के बाद डिग्री कालेज के प्राचार्य व स्टाफगण।

नगर पालिका में स्वच्छता की शपथ दिलातीं अध्यक्षा प्रेमलता सिंह।

खबर संक्षेप

खंड शिक्षा अधिकारी ने दिया शिक्षक समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन

कौशाम्बी। सरसवा विकासखंड के कई शिक्षकों ने खंड शिक्षा अधिकारी से मिलकर परिषदीय विद्यालयों के शिक्षण कार्यों में आने वाली दिक्कतों से उन्हें अवगत कराया जिस पर खंड शिक्षा अधिकारी ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सरसवां अध्यक्ष नितिन कुमार समावेशी की अध्यक्षता में तमाम शिक्षक की खंड शिक्षा अधिकारी सरसवां से मुलाकात इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी को ववर्ष की शुभकामनाए देते हुए उन्हें स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा शिक्षकों द्वारा भेंट की गयी। इसके साथ ही साथ शिक्षक समस्याओं पर चर्चा की गयी। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षक समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर दीपक सिंह महामंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूपेन्दर प्रताप सिंह, अशोक कुमार सिंह उपाध्यक्ष, अजीत सिंह मीडिया प्रभारी आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

पिकअप चालक की सिर कूचकर हुई हत्या

घटना के बाद रोते बिलखते परिजन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना अंतर्गत कयामुद्दीनपुर गांव में गुरुवार की सुबह तकरीबन 8:00 बजे के आसपास संदिग्ध अवस्था में 20 वर्षीय युवक की रक्तरंजित लाश मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया सूचना पर मौके पर पहुँचे एसपी एसएसपी सीओ एसोजी ने मृत युवक की पहचान कोखराज थाना क्षेत्र के बिदनपुर निवासी रवि प्रकाश सरोज पुत्र अमर नाथ के रूप में की है। घटनास्थल पर पहुंचे एसपी हेमराज मीणा ने बताया कि युवक के सीने में नुकीले चीज से प्रहार कर और सिर कूच कर उसकी हत्या की गई है फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए लगाया गया है जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कार्यवाही की जा रही है। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है। खबर लिखे जाने तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

नामांकन प्रक्रिया की तैयारियों का लिया जायजा

कौशाम्बी। जनपद में विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के तहत 01 फरवरी 2022 से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी जिसके दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर बैरिकेडिंग एवं नामांकन के दौरान कोविड गाइड लाइन का अनुपालन कराये जाने आदि तैयारियों का जायजा लिया एवं सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जनपद के तीनों विधानसभाओं का नामांकन कलेक्ट्रेट स्थित न्यायालय कक्ष अपर जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) एवं न्यायालय कक्ष जिला चकबन्दी अधिकारी में किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय उप जिलाधिकारी विनय कुमार गुप्ता राजेश श्रीवास्तव एवं प्रखर उत्तम सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

किसी एक पहचान पत्र से भी कर सकते है मतदान

कौशाम्बी। जिला निर्वाचन अधिकारी सुजीत कुमार ने अवगत कराया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में जनपद के मतदाता मतदान दिवस 27 फरवरी 2022 को मतदान स्थल पर मतदाता अपनी पहचान सुनिश्चित करने हेतु निर्वाचक फोटो पहचान पत्र से मतदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मतदाता जिनके पास निर्वाचक फोटो पहचान पत्र नहीं हैं, वे आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंको डॉकघरों द्वारा जारी किये गये फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद् सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र एवं यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड में से किसी एक पहचान पत्र से मतदान कर सकते हैं।

नहीं हुआ ध्वजारोहण

कोखराज कौशाम्बी। सिराथू तहसील के ग्राम ककोढा में पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय विद्यालय में नही हो सका ध्वजारोहण वहां पर कुछ कर्मचारियों ने बताया कि अभी तक स्टाप नही आया क्या इस पर जिलाधिकारी संज्ञान लेगे।

न्यूज झरोखा

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

टेढ़ीमोड़ कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के शहजाद पुर पुलिस चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक गौरव त्रिवेदी द्वारा मारपीट के एक नफर वारंटी युवक राजबहादुर पुत्र सूरज दिन यादव निवासी मलाक रेजमा थाना कोखराज को 25 जनवरी को गिरफ्तार किया है मारपीट के मामले पर आरोपी राजकुमार के विरुद्ध कोखराज थाने में मुकदमा दर्ज है मामले में आरोपी के पुलिस लंबे समय से तलाश कर रही थी जिस पर 25 जनवरी को आरोपी राजकुमार पुलिस की गिरफ्त में आ गया है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

गड्ढे नुमा सड़क में फिर चोटहिल हुआ बाइक सवार

करारी कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के पवारा गांव निवासी तूतुल पुत्र नाथन बाइक से सीमेंट लेकर घर जा रहा था जैसे ही वह तियरा मोड़ से मीरा पुर जाने वाली सड़क पर पहुँचा सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे के चलते सड़क पर सामने से आ रहे अन्य वाहन को बचाने के चक्कर में बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा है जिससे बाइक सवार को चोटें आई हैं घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गणतंत्र दिवस को लेकर ग्रामीणों में दिखा उत्साह : जयपाल जिद्दी

कौशाम्बी। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने बड़े धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया है मंझनपुर तहसील क्षेत्र के भखन्दा कोलुहवा में ग्रामीणों ने गणतंत्र दिवस पर बड़ा उत्साह दिखाया है गणतंत्र दिवस के अवसर पर ग्राम कोल्हुआ पोस्ट भाखंदा में पूरे गांव के लोगों में बड़ा उत्साह दिखा आम आदमी पार्टी नेता जयपाल जिद्दी ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी ग्रामीणों ने कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया कार्यक्रम में भगवानदीन पाल आनंद मोहन पाल अजय पाल संतोष पाल राम करन पाल डा.छोटे लाल बिस्वकर्मा शिवकुमार कचेर अंकुश पाल शिवकुमार पाल आदि लोग मौजूद रहे

धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

विजिया चौराहा कौशांबी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर खंड विकास अधिकारी कार्यालय कौशांबी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बारा कौशांबी सहित इलाके के सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों कार्यालयों में गणतंत्र दिवस का पर्व बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों शिक्षण संस्थानों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ध्वजारोहण कर देश के शहीदों को नमन किया गया है और उनकी वीरता पर चर्चा की गई है

बड़ी उत्सुकता से मनाया गया 26 जनवरी

हररायपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के हररायपुर पुलिस चौकी में बड़ी उत्सुकता और धूमधाम से गणतंत्र दिवस 26 जनवरी का पर्व मनाया गया है गणतंत्र दिवस के पर्व पर पुलिस चौकी में ध्वजारोहण किया गया है चौकी इंचार्ज हरीश श्याम सिंह चंदेल ने अपने सभी सिपाहियों के साथ परेड करके वा ध्वजारोहण कर 73 वा गणतंत्र दिवस मनाया है

शुक्लन का पूरा चौराहा पर किया गया ध्वजारोहण

करारी कौशाम्बी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर ग्रामीणों ने भी हर्ष उल्लास उत्साह पूर्वक गणतंत्र दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया है और देश की संविधान व्यवस्था पर भरोसा जताया है ध्वजारोहण करने के बाद राष्ट्रगान गाकर ग्रामीणों ने आजादी में शहीद हुए वीरों की कुबार्नी को याद करते हुए उनके योगदान पर चर्चा की और आजादी में कुर्बान हुए वीरों को नमन किया है मंझनपुर तहसील के शुक्लन का पूरा चौराहा पर गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर ध्वजारोहण के दौरान दर्जनों ग्रामीण एकत्रित हुए गणतंत्र दिवस का पर्व धूमधाम से मनाते हुए मिठाई का वितरण किया गया ध्वजारोहण के दौरान विनोद शुक्ला मूलचन्द्र शुक्ला पत्रकार फैज अहमद इरफान अहमद अब्दुल कय्यूम मुकुल शुक्ला अमन शुक्ला नमन शुक्ला डॉ बृजेश राव डॉ जयकरन यादव अनुज सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बंद रह गया स्कूल नहीं हुआ ध्वजारोहण

हररायपुर कौशाम्बी। मूरतगंज ब्लॉक के अंतर्गत इमामगंज बजहा में गुलाब देवी इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया गया सरकार का निर्देश की सभी शिक्षा संस्थानों में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण किया जाएगा इस स्कूल प्रबंधक पर लागू नहीं हो सका है आखिर गणतंत्र दिवस में ध्वजारोहण ना करने वाले विद्यालय संचालक पर आला अधिकारी क्या कार्यवाही करेंगे इस बात का इंतजार इलाके की जनता कर रही है बता दिया जाए कि ऐसे स्कूल केवल पैसों के लिए खोला जाता है जहां राष्ट्रध्वज तिरंगा नहीं फहराया गया।

लोकसभा विधान सभा ग्राम प्रधान चुनाव में लगी स्कूल बसो का अभी तक नहीं मिला किराया

फिर बसो को चुनाव में किया जा रहा अधिग्रहण, कॉलेज प्रबन्ध तंत्र में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद में समस्त स्कूलों में आगामी चुनावों में स्कूल की बसों को पुनः अधिकृत किये जाने की मांग निर्वाचन अधिकारी द्वारा की जा रही है जिसमे कॉलेज प्रबंध तंत्र ने जबरदस्त आपत्ति जाहिर की है।

बता दे कि इससे पहले लोकसभा चुनावों में विधानसभा एवम ग्राम प्रधान के चुनाव क्रमसः 2017 2019 एवम प्रधानी चुनाव में तथा अब 2022 के आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः बस लगाए जाने को लेकर परिवहन विभाग से आए कर्मचारियो द्वारा बसो का अधिग्रहित करने के लिए भवन्स मेहता विद्याश्रम भरवारी से मांग की गयी है 'जबकि कॉलेज के प्राचार्य संजय श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि अभी तक पिछले चुनावो में लगाई गई बसो का किराया का भुगतान नही किया गया जिससे कॉलेज के प्रबंध तंत्र में आक्रोश ब्याप्त है जिसकी शिकायत डीएम से करने का मन बनाया है यहा यह भी बताना अति आवश्यक है कि जबसे वैश्विक महामारी के चलते कॉलेज बहुत ही घटा में चल रहा है इसी कारण से कॉलेज में आर्थिक स्थिति खराब चल रही है।

विधानसभा कांग्रेस कार्यालय में किया गया झंडारोहण

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिस्बाहुल ऐन की अगुवाई में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

ध्वजारोहण के दौरान मौजूद कांग्रेसी नेता

कौशाम्बी। आजादी मिलने के बाद देश की वास्तविक आजादी उस दिन आए जब 26 जनवरी 1950 को देश में संविधान को लागू करते हुए गणतंत्र घोषित किया गया। संविधान आज देश के हर व्यक्ति को आजादी देता है कि वह अपने जीवन को स्वतंत्रता पूर्वक अपने अधिकारों के साथ लड़ सकता है। उक्त बातें कार्यक्रम में मौजूद पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष मिस्बाहुल ऐन ने कही। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही लोकतंत्र पर विश्वास करती आई है। आज जरूरी है कि देश में लोकतंत्र मजबूत करने के लिए हम देश के संविधान को माने और देश में सर्वधर्म समभाव को मजबूत करने का काम करें। गणतंत्र दिवस का यह अवसर हमें देश की आजादी में शहीद हुए हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर गर्व करने का अवसर प्रदान करता है। इस मौके पर कार्यक्रम के अंत में संविधान की प्रस्तावना पढ़कर सभी मौजूद पार्टी के लोगों ने इसके अनुसार चलने की शपथ ली। इस मौके पर प्रमुख रूप से अरूण विद्यार्थी, आशीष कुमार पप्पू मिश्रा, वेद प्रकाश पांडेय, रजनीश पांडेय, इजहार अब्बास, मनोज, मो०आवेश, भारत गौतम, जितेन्द्र शर्मा, गुलाम अहमद, देशराज पटारिया, आसिफ रिजवी, राम प्रकाश पासी, महेन्द्र कुमार यादव, जावेद भाई, आदि लोग मौजूद रहे।

छात्र से सरकारी कर्मचारी बने लोगों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित करते विद्यालय प्रबंधक

छात्र से सरकारी कर्मचारी बने लोगों को गणतंत्र दिवस पर किया गया सम्मानित

कौशाम्बी। गणतंत्र दिवस के शुभावसर पर शिव शक्ति जू हा स्कूल मलाकसद्दी से पढ़े महेश चौरसिया को सहायक अध्यापक व विवेक चौरसिया को उ प्र पुलिस मे सिपाही होने की खुशी में पूर्व प्रधानाध्यापक गंगाप्रसाद चौरसिया,स अ एस के शुक्ला, व स अ रवीन्द्र कुमार को अंग वस्त्र भेंटकर संम्मानित किया गया।कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए गणतंत्र दिवस का पर्व धूम धाम से मनाया गया। राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य में विद्यालय पर आयोजित समारोह में शिक्षा समिति के सदस्य व समाज सेवी घनश्याम चौरसिया ने गुरू जनो को सम्मानित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि माता, पिता के साथ ही गुरू जी का समाज में महत्वपूर्ण स्थान होता है।हर हाल में इनका सम्मान होना चाहिए।ग्राम पंचायत अधिकारी राहुल चौरसिया ने कहा कि शिक्षा समाज रूपी देह की आंख होती है। शिक्षा मनुष्य को महान बनाती है।शिक्षा के प्रति उत्साहवर्धन हेतु छात्र छात्राओं को पुरस्कृत करने के साथ ही प्रसाद वितरण किया गया।

अफवाहों पर लगा विराम! चायल विधान सभा से भाजपा के संजय गुप्ता का टिकट हुआ क्लियर

अखंड भारत संदेश

कौशांबी विधानसभा 2022 के चुनाव में कौशांबी जिले के चायल विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को लेकर तमाम विरोधियों द्वारा वर्तमान विधायक संजय गुप्ता के टिकट कटने की चर्चा बनाई जा रही थी लेकिन भाजपा चुनाव समिति ने चायल विधानसभा से विधायक संजय गुप्ता को टिकट देकर अफवाह फैलाने वालों की बातों पर विराम लगा दिया है जैसे ही चायल विधानसभा की जनता को संजय गुप्ता के टिकट फाइनल होने की जानकारी मिली पूरे विधानसभा में उत्साह का माहौल है अपने चहेते विधायक संजय गुप्ता को फिर दोबारा विधानसभा में टिकट मिलने की जानकारी मिलते ही विधानसभा की जनता हर्ष से प्रफुल्लित है खुशी में लोग एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मना रहे हैं।

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता शंभूलाल केसरवानी ने कहा कि आम जनता के बीच गहरी पैठ रखने वाले और व्यापारियों के शुभचिंतक विधायक संजय गुप्ता को टिकट देकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने सराहनीय कार्य किया है और जनता उनके इस निर्णय का स्वागत कर रही है उन्होंने कहा कि चायल विधानसभा से संजय गुप्ता विधायक का टिकट फाइनल होने के बाद संजय गुप्ता भारी बहुमत से भाजपा का परचम लहराएंगे उन्होंने कहा कि विरोधियों ने संजय गुप्ता के टिकट कटने बारे में तमाम अफवाह फैलाई थी लेकिन भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने संजय गुप्ता का टिकट फाइनल कर दिया है जैसे ही इस बात की जानकारी विरोधी खेमे में पहुंची है विरोधी खेमे में खलबली मच गई है उन्होंने कहा कि चायल विधानसभा में विरोधी प्रत्याशियों की करारी हार होगी।

विधायक संजय गुप्ता के भाजपा से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पूरे विधानसभा की जनता में हर्ष का माहौल जगह-जगह बांटी गई मिठाईयां

भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने आम जनमानस के विश्वास पर लगाई मुहर

कौशाम्बी। चायल विधानसभा से विधायक संजय गुप्ता को भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा विधानसभा चुनाव 2022 में टिकट दिए जाने के बाद भाजपा नेता प्रेमु मिश्रा ने कहा कि चायल विधानसभा की जनता का भरोसा विधायक संजय गुप्ता पर रहा है और पूरे विधानसभा की जनता को यह भरोसा था कि चायल विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी दूसरी बार फिर संजय गुप्ता को टिकट देगी जैसे ही चायल विधायक संजय गुप्ता को भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने टिकट दिया है वैसे ही पूरे विधानसभा की जनता में जश्न का माहौल है उन्होंने कहा कि लोकप्रिय विधायक संजय को फिर टिकट दिए जाने की जानकारी मिलते ही आम जनमानस में खुशी की लहर है और टिकट मिलने की जानकारी के बाद आम जनता की खुशी इस बात का प्रतीक है कि चायल विधानसभा से सपा बसपा कांग्रेस सहित अन्य प्रत्याशियों को करारी शिकस्त देते हुए विधायक संजय गुप्ता दूसरी बात ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे।

महामाया महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। महामाया राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रोवर्स रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान के अंतर्गत आज 26 जनवरी 2022 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर डॉ विनय कुमार सिंह प्राचार्य महामाया राजकीय महाविद्यालय के द्वारा ध्वजारोहण किया गया इसके उपरांत डॉ0 पवन कुमार द्वारा शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा का संदेश पढ़ा गया तदुपरांत छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण एवं देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए इस अवसर पर प्राचार्य डॉ विनय कुमार सिंह ने कहा कि वर्ष 26 जनवरी का दिन भारत में गणतंत्र दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस बार देश अपना 73वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। दरअसल 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू किया गया था। भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि इस वजह से हर साल 26 जनवरी का दिन राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के तौर पर मनाया जाता है। 26 नवंबर, 1949 को देश की संविधान सभा ने वर्तमान संविधान को विधिवत रूप से अपनाया था, इसलिए इस दिन को देश में संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ अमित कुमार शुक्ल द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में महा विद्यालय से डॉ0 अनिल कुमार डॉ0 नीलम बाजपेई डॉ रीता दयाल डॉ पवन कुमार डॉ तरित अग्रवाल डॉ रमेश चंद्र, डॉ संतोष कुमार डॉ शैलेश मालवीय अजय कुमार श्रीमती अनीता केसरवानी मानवेंद्र सिंह साहनी आदि लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से जिला अस्पताल में मनाया गया गणतंत्र दिवस

कल्यानपुर कौशाम्बी। संयुक्त जिला चिकित्सालय जिला अस्पताल में धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया है गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक दीपक सेठ ने ध्वजारोहण कर नमन किया है इस मौके पर गणतंत्र दिवस के विषय में विस्तार से बताया गया और देश की आजादी में शहीद हुए लोगों को नमन किया गया है और उनकी वीरता पर चर्चा की गई है गणतंत्र दिवस के अवसर पर संयुक्त जिला चिकित्सालय मंझनपुर में ध्वजा रोहण के बाद मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर दीपक सेठ ब्लड बैंक प्रभारी मोती लाल सिंह चीफ फार्मासिस्ट विजय नारायण सिंह एवं डॉक्टर समस्त स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी मोती लाल सिंह ने ध्वजा रोहण के समय उपस्थित समस्त स्टाफ को संबोधित करते हुए देश के संविधान और आजादी के विषय पर विस्तार से चर्चा की।

गणतंत्र दिवस पर जगह जगह शान से फहराया गया तिरंगा

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद अंतर्गत कस्बा भरवारी और उसके आसपास क्षेत्र के शिक्षण संस्थान सरकारी कार्यालयों में गणतंत्र दिवस के अवसर पर धूमधाम से ध्वजारोहण किया गया है इस मौके पर राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत होकर लोगों ने राष्टगीत गाया है नगर पालिका परिषद कार्यालय में अधिशाषी अधिकारी गिरीश चंद्र ने तिरंगा फहराया है वही प्राथमिक विद्यालय में रविन्द्र कुमार मिश्रा ने ध्वज फहराया इस मौके पर सभी शिक्षकगण मौजूद रहे वही बाबा टी वी यस एजेंसी में एजेंसी के मालिक अमित कुमार कपिल कुमार ने झंडा फहराया। इस मौके पर भरतीय स्टेट बैंक भरवारी के सहायक प्रबंधक ओमनीश खरे ने झंडा फहराया जनशिक्षक संस्थान में निदेशक राजकुमार पांडेय ने ध्वजारोहण किया इस मौके पर सभी कर्मचारी मौजूद थे।

भवन्स मेहता में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

भरवारी कौशांबी। भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में प्रधानाचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव ने झण्डा फहराया एवं गणतंत्र दिवस की 73 वीं वर्षगांठ पर? सभी बच्चों , शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ एवं देशभक्त नागरिक बनने की उन्होंने अपील की कोविड-19 के चलते सरकार के गाइडलाइन के अनुसार विद्यालय बन्द होने के कारण बच्चों की उपस्थिति कम रही गणतंत्र दिवस के ध्वजारोहण के अवसर पर दीपिका गरिमा सिंह एन्जिलिना सिंह शशी यादव फाल्गुनी मिश्रा के वर्चुअल एवं स्टेज से देश भक्ति के गीत और भाषणों की सभी ने सराहना की इस अवसर पर विद्याश्रम के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अ.भा. विद्यार्थी परिषद ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित किए कार्यक्रम

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा कौशांबी जिले के सभी नगर क्षेत्रों में गणतंत्र दिवस का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया है इस मौके पर सेल्फी विथ तिरंगा अभियान का भी हिस्सा लोग बने हैं जगह-जगह टोली तिरंगा यात्रा ध्वजारोहण पदयात्रा सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि कार्यक्रम आयोजित कर गणतंत्र दिवस को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों द्वारा धूमधाम से मनाया गया है कार्यक्रम स्वरूप टोली तिरंगा यात्रा ध्वजा रोहण 3 जगह पद यात्रा भवंस इकाई सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि छात्रों द्वारा आयोजित किया गया है। कौशाम्बी जिले के हर एक कार्यकताओं ने सेल्फी विथ तिरंगा अभियान का हिस्सा बनें गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के अवसर पर रिचा पाण्डेय प्रांत कार्यकारणी सदस्य दिव्यांशु शुक्ल नगर विस्तारक शुभम सक्षम कृष्णा अनुज सात्विक भूपेंद्र अनमोल शनि कवि शैलेश जय किशन आदि कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

स्मृति चिन्ह से नवाजे गए लैब सहायक अफजाल अहमद

कल्यानपुर कौशाम्बी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंझनपुर में कार्यरत लैब सहायक अफजाल अहमद ने जिला कारागार जनपद कौशांबी में निरुद्ध बंदियों को कॉविड् 19 संक्रमण में बचाव हेतु जानकारी देते हुए कोविद्19 जांच एवं संक्रमण की दशा में पूर्ण मनोयोग एवं दृढ़ निश्चय से कारागार के बंदियों एवं स्टाफ को चिकित्सीय सेवा प्रदान करने पर जेल अधीक्षक राकेश सिंह ने लैब सहायक अफजाल अहमद को स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया गणतंत्र दिवस 2022 के अवसर पर पीएचसी मंझनपुर के प्रभारी डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर अरुण कुमार केशरवानी,डॉक्टर संदीप,डॉक्टर अलीमा,धीरेंद्र एलटी एवं समस्त जेल के अधिकारी ,कर्मचारी मौजूद रहे।सभी ने अफजाल अहमद को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दिया।

हरे पेड़ काट कर ले जा रहे पांच लकड़ी माफियाओं पर मुकदमा दर्ज

कोखराज कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के बसावन पुर में हरे फलदार महुआ के पेड़ को काट कर ले जा रहे लकड़ी माफियाओं पर कोखराज थानेदार की नजर पड़ गई और उन्होंने वाहन समेत लकड़ी माफिया को अपने हिरासत में ले लिया पूछताछ के दौरान लकड़ी माफिया हरे पेड़ काटने का परमिट नहीं दिखा सके जिस पर कोखराज थानेदार ने लकड़ी माफियाओं राधे पुत्र भुल्लन अदालती पुत्र रूपचंद्र राशि लाल पुत्र रिन्नु इसरार अहमद पुत्र अंसार अहमद और विनोद रैदास पुत्र बुधराम के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पुलिस ने वाहन समेत लकड़ी को थाने पर खड़े करा दिया है मामले में अहम बात यह है कि लकड़ी माफिया के साथ चार अन्य लोग उनके मजदूर और वाहन चालक है और बीते कई वर्षों से इलाके के हरियाली नष्ट करने में यह बराबर लगे हुए हैं सूत्रों की मानें तो हरे फलदार सैकड़ों पेड़ इनके द्वारा प्रत्येक महीने काटे जा रहे हैं।

चोरी के सामान तमंचा व गांजा के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में थाना मोहब्बतपुर पइसा पुलिस प्रभारी निरीक्षक रमेशचन्द्र मय हमराह पुलिस बल द्वारा रात्रिगस्त में वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर नहर पुलिया अफजलपुरवारी के पास जाम फतेहपुर की तहफ से आ रहे लोडर को रुकवाया गया और तलाशी ली गयी तो बिजली की मोटर 10 ल्हढ दो अदद पुली एक अदद साफ्टीन आदि सामान लदा था लोडर में बैठे तीन व्यक्तियों दीपचन्द्र पुत्र फूलचन्द्र मीरज पुत्र दयाराम व रानू उर्फ पवन सिंह पटेल पुत्र प्रेम सिंह निवासी देवरी थाना धाता जनपद फतेहपुर से पूछताछ की गयी तो बताया कि ग्राम देवरी थाना धाता जनपद फतेहपुर से 23 24 जनवरी की रात्रि जंगबहादुर के ट्यूबवेल से चोरी किये गए समान को अजुहा बेचने जा रहे थे पकड़े गये व्यक्तियों की जामा तलाशी ली गयी तो अभियुक्त दीपचन्द्र के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर व दो अदद जिंदा कारतूस व अभियुक्त नीरज के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर व दो अदद जिंदा कारतूस तथा अभियुक्त रानू उर्फ पवन सिंह के कब्जे से 01 किलो 150 ग्राम नाजायज गांजा बरामद हुआ बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर पंजिकृत कर अभियुक्तों का चालान न्यायालय कर दिया।

नाटकीय ढंग से लापता हुआ जिला पंचायत सदस्य बरामद

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के गुलामी पुर निवासी जिला पंचायत सदस्य पूनम मौर्या के पति राजीव मौर्या एक हफ्ते पूर्व कोखराज के होटल से नाटकीय ढंग से रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गए थे जिला पंचायत सदस्य पूनम मौर्य के पति के गायब होने के बाद उनके परिजनों ने आंदोलन शुरू कर दिया था मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने एसओजी प्रभारी इंटलीजेंस विंग टीम थाना पुलिस को मामले का खुलासा करने का निर्देश दिया जिस पर पुलिस ने सक्रियता दिखाई और गायब राजीव मौर्या को खोज निकाला हरियाणा प्रदेश के बल्लभगढ़ फरीदाबाद से पुलिस ने राजीव मौर्या को बरामद कर कौशाम्बी ले आई एसपी हेमराज मीणा ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी।

अवैध शराब कारोबारियों के लिए आफत बने चौकी इंचार्ज!

4 माह के कार्यकाल में 920 लीटर अवैध शराब सहित पचासों कुन्तल लहन कराया नष्ट

अखंड भारत संदेश

अवैध शराब नष्ट करती अझुवा पुलिस

अझुवा कौशाम्बी। अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत सोमवार की शाम चौकी इंचार्ज अझुवा विजेंद्र सिंह मय हमराहियों अचानक कुख्यात अवैध शराब कारोबारियों के गढ़ में छापा मार दिया जिसमें कई घरों से 220 लीटर अवैध कच्ची महुये की अपमिश्रित जहरीली शराब लगभग 20 कुन्तल अर्धनिर्मित शराब लहन नष्ट कराया है। चौकी इंचार्ज विजेंद्र सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि वार्ड नं 3 शांतिनगर में कुछ जुआड़ी जुंए की फड़ सजाए हैं अर्जेंट छापा मारने की पुलिस बल के साथ योजना बनायी किंतु ये क्या वार्ड से गुजरते ही शराब की दुर्गंध से शराब कारोबारियों का पता चल गया 4 घरों में छापा मार दिया पुलिस के जवान और चौकीदारों ने घरों के अंदर जमीन में गाड़े गए ड्रमों बोरियों की शराब खोजक यंत्र(नुकीला सरिया) से देखने लगे इस दौरान कई दर्जन ड्रम जो अर्धनिर्मित शराब लहन से भरे थे उन्हें नष्ट करवाया एवम इस दौरान 220 लीटर अवैध कच्ची शराब भी बरामद की है ।एक अवैध शराब कारोबारी सरदार पुत्र स्व कुवांरे को गिरफ्तार कर लिया 2 अवैध शराब कारोबारी रमेश पुत्र स्व भुल्लर,तिवारी पुत्र स्व शीतल निवासी गण वार्ड नं 3 शान्ति नगर फरार हो गए थे जिनकी पुलिस तलाश कर रही है!!पकड़े गए अवैध शराब कारोबारी सरदार पुत्र कुंवारे के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की एक समय नगर पंचायत अझुवा के वार्ड नं 3 शांति नगर,वार्ड नं 2 अम्बेडकर नगर वार्ड 4 मढिया मई अडार पर में धुमाई ग्राम सभा के पसियन का पूरा(अड़ार)अवैध शराब कारोबारियों ने मिनी उद्योग बना दिया था आज क्या स्थिति है ये कोई अवैध शराब कारोबारियों से पूंछे !!पिछले 4 माह के कार्यकाल में चौकी इंचार्ज अझुवा विजेंद्र सिंह ने 925 लीटर महुये की अवैध जहरीली शराब एवम पचासों कुन्तल लहन नष्ट करवा दिया है अझुवा पुलिस की लगातार कार्रवाई उपकरणों के तोड़ फोड़ तहस नहस से एवम अर्धनिर्मित लहन को जमीन से खोदकर निकाल कर नष्ट करने से अवैध शराब कारोबारियों की रीढ़ टूट गयी है बीते देर शाम की कार्रवाई में चौकी पुलिस के रामसागर मौर्य,नवनीत सिंह यादव,बलवीर सिंह,नागेंद्र वर्मा अखिलेश कुमार,राहुल यादव,गुलशन कुमार ,लेखपाल सिंह वाहन चालक हाशिम की महती भूमिका रही है।

संपादक की कलम से

अनगिनत हों शहीदी मशालें

अमर जवान ज्योतिह्न सिर्फ राष्ट्रीय गौरव, गरिमा, कुबार्नी और भावनात्मक जुड़ाव का ही मुद्दा नहीं है। ह्यराष्ट्रीय युद्ध स्मारकह्न और शहादत की एक ही मशाल सरीखी दलीलें भी पर्याप्त नहीं हैं। ह्यअमर जवानह्न स्मारक गुलामी का प्रतीक नहीं है। उसे तो 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद हमारी सरकार ने ही बनवाया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1972 के गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर उसका उद्घाटन किया था। वह स्मारक हमारी सेनाओं की ऐतिहासिक, शानदार विजय का प्रतीक है। गुलामी की यादें तो ह्यइंडिया गेटह्न ताजा करता रहा है, क्योंकि वहां आज भी किंग जॉर्ज विराजमान हैं। ब्रिटिश गुलामी के सबसे बड़े और साक्षात उदाहरण तो लालकिला, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन आदि हैं। ऐसे कई स्मारक हमारे गुलाम अतीत को कुरेदते रहे हैं। भारत कितना सक्षम था, जब आजाद हुआ। रेल की पटड़ी तक हमारी अपनी नहीं थी। सब कुछ अंग्रेजों की ही देन है। जब भारत सरकार उनके स्वदेशी विकल्प स्थापित कर लेगी, तब हम देखेंगे और जिंदा रहे, तो उनका विश्लेषण भी करेंगे। ह्यलालकिलाह्न अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी का ऐसा प्रतीक है, जहां की प्राचीर से स्वतंत्र भारत के प्रधानमंत्री प्रत्येक 15 अगस्त के दिन राष्ट्र को संबोधित करते हैं। किसी स्वतंत्र प्राचीर को वैकल्पिक स्थान बनाया जाए, तो हम प्रधानमंत्री और सरकारी प्रवक्ताओं की दलीलों पर पुनर्विचार कर सकते हैं। यकीनन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक बनना चाहिए था। उसके लिए और युद्ध स्मारक पर 25,942 रणबांकुरे शहीदों के नाम और पद अंकित किए जाने के प्रयास की हम खूब सराहना करते हैं। हमारे सैन्य अधिकारियों और औसत सैनिक ने गौरवान्वित महसूस किया होगा, क्योंकि ये उन ह्यअमर जवानोंह्न के नाम हैं, जिन्होंने 1947 में देश की आजादी के बाद, देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए, शहादत दी। शहादत की ऐसी कितनी भी मशालें और लौ प्रज्वलित की जाएं, वे भी कम हैं, क्योंकि शहादत से बड़ा और महान बलिदान और कर्म कोई और नहीं है। सभी मशालें गर्व और बलिदानों का एहसास कराती हैं और कराती रहेंगी। ह्यअमर जवान ज्योतिह्न पर अभी तक देश के प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और तीनों सेना प्रमुख विभिन्न अवसरों पर सलामी देते रहे हैं।

असंतुष्ट कार्यकताओं को मनाने में जुटे हैं राजनैतिक दल

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

भारत गणराज्य के पांच राज्यों में चुनावी दुंदुभी बज चुकी है। राजनैतिक दलों ने धीरे-धीरे पत्ते खोलने शुरू कर दिये हैं। कार्यकताओं के मन के अनुरूप प्रत्याशी देने की चुनौती लगभग सभी दलों के सामने है। जातिगत समीकरणों से लेकर क्षेत्रीय प्रभावों तक को तौला जा रहा है। सम्प्रदायवाद को भडकाने में लगे लोगों में से जहां ज्यादातर पर्दे के पीछे से आग लगा रहे हैं वहीं ओबैसी जैसे लोग खुलकर अपनों को लाभ देने की घोषणायें कर रहे हैं। पंजाब में तो देश को टुकडों में बांटने का जयघोष करने वाले कन्हैया कुमार और जातिगत राजनीति से सुर्खियों में आये हार्दिक पटेल तक को कांग्रेस ने चुनावी दायित्व सौंप दिये हैं। परिवार के अतीत की दुहाई पर पार्टी ने युवाओं का एकमात्र दल बनकर उभरने की कबायत शुरू कर दी है। बहुजन समाज पार्टी आज भी दलितों के वोटबैंक पर इकलौता अधिकार मानती है। वहीं समाजवादी पार्टी अपने आलाकमान के जातिगत मतों के साथ-साथ मुसलमानों के समर्थन का भी दावा कर रही है। अकाली दल का गणित भी उनकी परम्परागत विचारधारा के पोषण से जुडा दिख रहा है तो आम आदमी पार्टी ने सत्ताधारी दलों के विरोध में विकल्प बनकर स्वयं को प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। हिन्दुत्व के मुद्दे को भुनाने का सूत्र आजमान में जुटी भारतीय जनता पार्टी अपनी केन्द्र सरकार की उपलब्धियां और उत्तर प्रदेश की माफिया

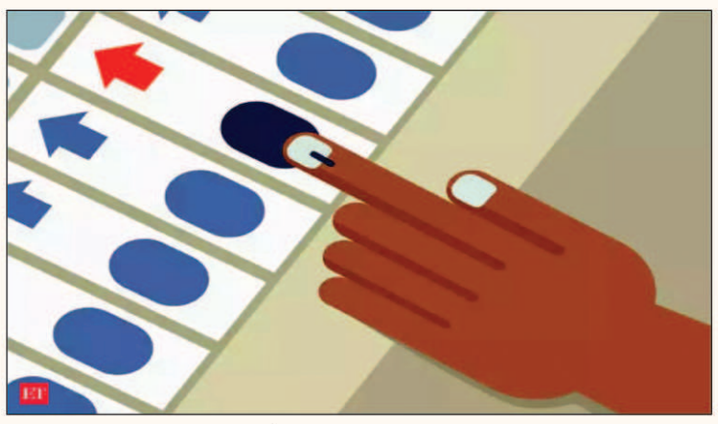

विरोधी छवि को उजागर कर रही है। क्षेत्रीय दलों के अपने अलग समीकरण हैं। वे स्वयं के प्रभाव को भुनाने में लगे हैं। चन्द जिलों में सिमटे ऐसे दल के मठाधीश अपने खास लोगों के साथ मिलकर बडी पार्टियों को करिश्माई जीत के सब्जबाग दिखा रहे हैं ताकि गठबंधन का लाभ मिल सके। यह सब तो पर्दे के पीछे से चल ही रहा है परन्तु दलबदल का तूफान देखकर पार्टियां अपने उम्मीदवारों की सूचियों पर सूचियां जारी करने लगे हैं। असन्तुष्टों को समझाने, सत्ता में पहुंचते ही उन्हें मलाईदार ओहदा देने तथा अन्य लाभों के लालच का मोहपाश फैंका जा रहा है। उत्तर प्रदेश में तो भाजपा ने खासतौर पर योगी की ब्राह्मण विरोधी छवि पर मरहम लगाने हेतु पिछली बार जीते ब्राह्मणों में से ज्यादातर लोगों को पुनः टिकिट दिया है। ऐसा करके काम के आधार पर सम्मान देने की नीति का प्रदर्शन करके कार्यकताओं के बिखराव को रोकने की कोशिश की जा रही है। मगर समाजवादी पार्टी ने योगी के गढ से ही एक दबंग ब्राह्मण नेता को अपने खेमे में शामिल करके खासी चुनौती प्रस्तुत की है। बहुजन समाज पार्टी की खामोशी अन्दर ही अन्दर गुल खिला रही है जिसे भारतीय जनता पार्टी के लिए हितकर कदापि नहीं कहा जा सकता। भाजपा के विरोधी खेमे को अपने झंडे के नीचे एकत्रित करने में जुटी ममता ने पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ गोवा में दस्तक दी थी परन्तु समय के साथ वह एक गुबार ही साबित हुआ। पाकिस्तान के विरुध्द सर्जिकल स्ट्राइक को व्यवहारिक स्वरूप देने वाले मनोहर पर्रिकर के पुत्र उत्पल पर्रिकर ने गोवा में भाजपा से टिकिट न मिलने पर निर्दलीय चुनाव लडने की घोषणा कर दी थी किन्तु अब मनौती के बाद उनके स्वरों में बदलाव आता जा रहा है। मणिपुर के अपने मुद्दे हैं, लोगों की सोच है, और सीमापार से मिलने वाला लालच है। वहां पर चुनावी घमासान क्षेत्रीयता और सुविधात्मक मुद्दों पर केन्द्रित होकर रह गया है। अधिकारों की सुरक्षा को लेकर भी मणिपुरवासियों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। उत्तराखण्ड में जिस तरह से भाजपा सरकार ने बार-बार नेताओं के दायित्वों में हेरबदल किया, उससे ही पार्टी की घबडाहट सामने आ जाती है। तिस पर इस्लाम छोडकर वसीम रिजवा से जितेन्द्र नारायण त्यागी की पहचान प्राप्त करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी ने देवभूमि की सत्ताधारी भाजपा की हिन्दुवादी विचारधारा की धज्जियां उडा दीं है। ऐसा ही काम छत्तीसगढ की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के इशारे पर बुंदेलखण्ड से गुपचुप ढंग से संत कालीचरण की गिरफ्तारी के दौरान हुआ था। यानी जो काम गांधी के नाम पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को तिलांजलि देते हुए कांग्रेस ने किया था, वही काम भाजपा ने हेट स्पीच के नाम पर किया। भाजपा तो एक कदम आगे ही बढ गई और जितेन्द्र नारायण त्यागी के मुख्य समर्थक यति नरसिंहानन्द को भी सलाखों के पीछे भेज दिया। यह सारा घटना क्रम भी भाजपा की छवि को कहीं न कहीं प्रभावित जरूर करेगा। आज देश का नागरिक धर्म के निजता वाले मुद्दे और जन्म के प्रकृतिजन्य कारकों पर अंध विश्वासी हो गया है। जीवन जीने की पध्दति को धार्मिक मयार्दाओं में बदल दिया गया है। गुरुग्राम में खुले में नमाज पर चिल्ला चोट हो रही है तो कोलकता में नवरात्रि के भगवती जागरण पर हंगामा। जेहाद के नाम पर विकृतियां परोसी जा रहीं है तो प्रतिक्रियात्मक उपायों को व्यवहार में लाया जा रहा है। अतीत की दुहाई पर वर्तमान में जंग छिड रही है और ऐसे में मौका परस्त लोग अपने पौ बारह करने में जुटे हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आपसी भाईचारे और शांति को राजनैतिक दलों के लालची नेताओं और धर्म के कथित ठेकेदारों ने ही चिंगारियां दिखायीं हैं। सत्ता सुख के काल्पनिक आनन्द के लिए समाज को लडवाने वाले षडयंत्रकारी आज लोगों की मानसिक कुण्ठाओं को कुरेद-कुरेद कर घाव बनाने में जुटे हैं। इतिहास गवाह है कि देश की धरती को बाह्य आक्रान्ताओं ने जमकर लूटा, सुख भोगा और खुलकर की मनमानियां। जबरन धर्म परिवर्तन जैसे कृत्य किये गये। मगर वह सब तो इतिहास के पन्नों में सिमटकर रह गया था। देश के लिए सुभाषचन्द बोस, रामप्रसाद बिस्मिल, चन्द्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह जैसे भारत मां के सपूतों ने जंग छेडी, तब गोरी सरकार ने चाल चलकर फूट डालो, राज करो की नीति अपनाई।

इसी चाल की पुनरावृत्ति देश के विभाजन के दौरान भी की गई।

वर्ण व्यवस्था का दंश झेलती अनुसूचित जाति

-डा. राजन तनवर-

वर्ण व्यवस्था की जातीय पृष्ठभूमि का दंश स्वातंत्र्योत्तर भारत में भी विकराल रूप धारण किए हुए है। यह ऐसा बीज है कि शायद ही इसका समूल नाश कभी संभव हो सके। जातीय आधार पर इनसानों से भेदभाव का क्रम मनुष्यों के सभ्य होते ही पनप गया था। मनु महाराज की विखंडन कारी विकृत सोच ने इनसानों को इनसान न समझने का पाठ पढ़ाया जिसका खमियाजा भारतवर्ष की हजारों जातियां युगों-युगों से झेलती आ रही हैं। महात्मा कबीर के निराकार ईश्वरीय पैगाम ने समस्त हिंदुओं एवं मुस्लिमों को अपनी वाणी के माध्यम से सुधारवादी संदेश देकर चेताने का प्रयास किया, किंतु तत्कालीन एवं वर्तमान रूढ़िवादी मानसिक विचारधारा के धनियों ने तथागत महात्मा बुद्ध के जीवन दर्शन की भांति उनके निराकार ईश्वरीय संदेश को भी समाज में पनपने नहीं दिया क्योंकि इनकी युगों-युगों से चली आ रही ठगने की दुकानदारी बंद होती प्रतीत होती थी। जिस समाज में इनसान को इनसान न समझा जाता हो, पशुओं से बदतर तरीके से उसे हांका जाता हो।

कुत्तों-बिल्लियों को पास बैठाकर सहलाया जाता हो और इनसान को दुत्कारा जाता हो, उसे जूठन तक सम्मान से न दी जाती हो, ऐसे समाज से क्या सामाजिक समानता की अपेक्षा की जा सकती थी? ऐसी ही घृणित सोच का शिकार हिमाचल प्रदेश एवं भारतवर्ष के अन्य राज्यों में जीवन संघर्ष करती कबीरपंथी जाति भी है जिसे जुलाहा तथा चनाल अनुसूचित जाति के नाम से भी जाना जाता है। यद्यपि महात्मा कबीर जैसे महानतम सामाजिक सुधारवादी संत शिरोमणि का संबंध भी इसी अनुसूचित उपजाति से रहा है। आरंभिक दौर में यह अनुसूचित जाति काम के बदले थोड़ा बहुत अनाज मिल जाने से अपना जीवन बसर करती थी। सूत कातना, बुनना, सूत के कपड़े सिलना तथा मूंजी (एक प्रकार का घास) से रस्सियों को बनाना इसका मुख्य व्यवसाय था। जिसके बदले फसल आने पर स्याथा प्रथा पद्धति के अनुसार इन्हें अनाज प्रदान किया जाता था। मंडी जिला की एक घटना के अनुसार एक सूत कातने वाले कारीगर ने स्थानीय राजा को एक ऐसा सूत का बनाया हुआ बटुआ (पर्स) तैयार किया था जिसमें से केवल राजा ही धन निकाल सकते थे। कारीगर की कार्यकुशलता से प्रसन्न होकर राजा ने उसे भूमि दान तक कर की थी। देश का संविधान लागू होने से पूर्व इस जाति के लोगों को कभी भी इनसानों जैसा सम्मान नहीं मिला। अपने अहं भाव को त्यागकर ये सदा ही तिरस्कृत होने के लिए तैयार रहते थे। विरोध करना तो मानों इन्होंने सीखा ही नहीं था। अंग्रेजों के भारत आगमन के दौरान ये दोहरी पराधीनता तो झेल रहे थे, किंतु यदि किसी को अंग्रेजों के खानसामा, माली, धोबी या सेवादार बनने का सौभाग्य प्राप्त होता था तो ये स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते थे क्योंकि अंग्रेज इनकी परछाई तथा इनके द्वारा तैयार किए गए खाद्य पदार्थों को ग्रहण करते थे जो कि मनुवादी सामाजिक व्यवस्था में इनको सुलभ नहीं था। ये अंग्रेजों एवं अन्य विदेशी शासकों के गुलाम होने के साथ-साथ मनुवादियों की क्रूर गुलामी झेल रहे थे जिसने इन्हें कभी भी सम्मान से नहीं जीने दिया था। यही इनके जीवन का अन्य शूद्र जातियों की भांति सबसे बड़ा अभिशाप था।

लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति एवं बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेदकर द्वारा संविधान में प्रदत्त शिक्षा के मौलिक अधिकारों के कारण इन्होंने विषम परिस्थितियों में पठन-पाठन आरंभ किया था, जिस कारण से अब इनके जीवन स्तर में परिवर्तन आना शुरू हो गया है। इनकी जीवन शैली बदली है, किंतु फिर भी कुछ ग्रामीण स्थलों पर जहां इस उपजाति के लोग अल्पसंख्यक हैं, इनके साथ किए जा रहे जातीय भेदभाव बदस्तूर जारी हैं। आज भी कुछ स्थानों पर यह जाति जातीय भेदभाव का शिकार है। सार्वजनिक उत्सवों के अवसर पर प्रीतिभोज के समय इनसे दुर्व्यवहार किया जाता है तथा भोजन परोसते समय ऐसे दुर्व्यवहार आम बातें हैं। समय बदला है, किंतु कुछ स्थानों पर ऐसी घृणित मानसिकता वाले लोग स्वयं को ऐसे कृत्यों को करने में गौरवान्वित महसूस करते हैं। भारतीय समाज में अगर एकता लानी है, तो इन जातियों से जातीय भेदभाव खत्म करना होगा। हालांकि संविधान के अनुसार छुआछूत को रोकने की व्यवस्था है, लेकिन देश भर में कई ऐसे स्थान हैं जहां इन लोगों से जातीय भेदभाव होता है। कानून के जरिए समाज में समानता का भाव लाना मुश्किल है। इसलिए समाज को ही प्रेरणा लेकर इन लोगों से जातीय भेदभाव बंद करना होगा। यह भी दुखदायी है कि हमारे देश में ही जातीय भेदभाव होता है, अन्य समाजों में इस तरह का भेदभाव नहीं है। तभी तो भारतीय समाज अखंड नहीं है। भारतीय समाज बंटा हुआ है।

यहां कोई उच्च जाति में है तो कोई निम्न जाति में है। दोनों जातियों में आपसी वैमनस्य की स्थिति है। जातीय भेदभाव के कारण समाज में एकता लाना संभव नहीं है। यह दुखद है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी हम जातीय भेदभाव खत्म नहीं कर पाए हैं तथा सामाजिक रूप से बंटे हुए हैं। यह भेदभाव खत्म करना ही होगा।

चीन से व्यापार घाटे की चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी-

हाल ही में 13 जनवरी को भारत और चीन के बीच 14वें दौर की वार्ता चीन के अड़ियल रवैये के कारण असफल होने के बाद भारत-चीन संबंधों पर प्रकाशित हो रही रिपोर्टों में इस बात पर हैरानी प्रस्तुत की जा रही है कि जहां पिछले वर्ष 2021 में लगातार सीमाओं पर चीन की क्रूर आक्रामकता दिखाई दी, वहीं वर्ष 2021 में चीन से सामानों का रिकॉर्ड आयात हुआ और चीन से व्यापार घाटा भी छलांगे लगाकर बढ़ते हुए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सचमुच यह चिंताजनक विचारणीय प्रश्न है कि जब पिछले वर्ष 2021 की शुरूआत से ही चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन ने अत्याधुनिक हथियारों के साथ 50-60 हजार सैनिक तैनात किए हुए हैं, अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत बताते हुए अरुणाचल प्रदेश के 15 स्थानों का चीनी एवं तिब्बती भाषा में नामकरण कर लिया है, चीन ने नया कानून द लैंड बॉडर लॉ लागू कर दिया है, चीन एलएसी के पार बुनियादी ढांचे का लगातार निर्माण कर रहा है, तब भी चीन से भारत में सामानों की आवक लगातार बढ़ती गई है। यदि हम दोनों देशों के बीच हाल ही में प्रस्तुत किए गए द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि जनवरी से नवंबर 2021 के बीच

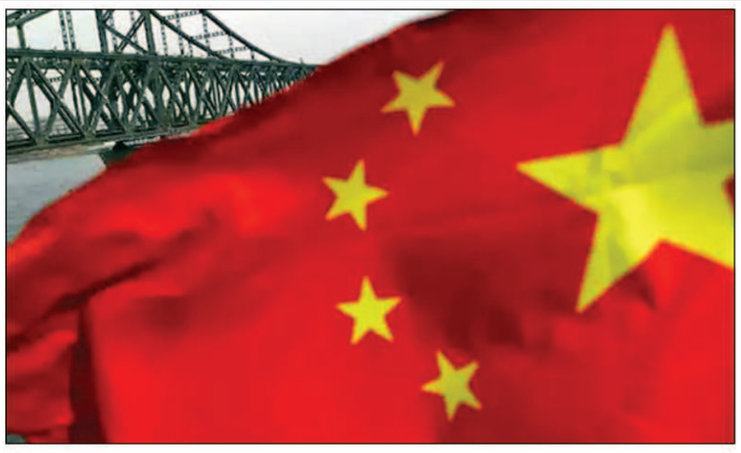

दोनों देशों में कुल 8.57 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड व्यापार हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 46.4 फीसदी ज्यादा है।

जहां भारत ने इन 11 महीनों की अवधि में चीन से 6.59 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड सामान खरीदा है, वह पिछले वर्ष 2020 के मुकाबले 49 फीसदी ज्यादा है। वहीं चीन को भारत ने 1.98 करोड़ रुपए मूल्य का सामान निर्यात किया है, जो पूववर्ती वर्ष की तुलना में 38.5 फीसदी ज्यादा है। इन 11 महीनों में चीन से व्यापार घाटा भी रिकॉर्ड स्तर 4.61 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर पहुंच गया है। यदि हम पिछले चार वर्षों के जनवरी से नवंबर तक के 11 महीनों के भारत-चीन व्यापार के आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 2017 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 4.45 लाख करोड़ रुपए था। यह वर्ष 2018 में घटकर 4.30 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2019 में घटकर 3.83 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2020 में घटकर 3.30 लाख करोड़ रहा। लेकिन 2021 में यह घाटा सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंच गया। वर्ष 2021 में चीन से भारत के आयात में हुई वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा चिकित्सा उपकरणों एवं दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल का भी है। इस समय चीन से तेजी से आयात बढ़ना इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले छह-सात वर्षों से लगातार वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर को देश भर में आगे बढ़ाया है। चीन को आर्थिक चुनौती देने के लिए सरकार के द्वारा टिक टॉक सहित विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबंध, चीनी सामान के आयात पर नियंत्रण कई चीनी सामान पर शुल्क वृद्धि, सरकारी विभागों में चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय उत्पादों के उपयोग की प्रवृत्ति जैसे विभिन्न प्रयास किए गए हैं। वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण देशभर में चीनी सामान का जोरदार बहिष्कार दिखाई दिया था। मेड इन इंडिया का बोलबाला था। स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर का जोरदार असर था। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी, नवदुर्गा, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों में बाजार में भारतीय उत्पादों की बहुतायत थी और चीनी सामान बाजार में बहुत कम दिखाई दिए थे। भारत में चीन से होने वाले आयात में बड़ी गिरावट आने लगी थी। व्यापार घाटे में तेजी से कमी आने लगी थी। चीन ने इससे चिंतित होकर कई बार अपनी बौखलाहट भी जाहिर की थी। अब एक बार चीन को आर्थिक सबक देना जरूरी दिखाई दे रहा है।

बजट से उम्मीदें, सबका रखा जाएगा ख्याल

-जयंतीलाल भंडारी-

फिलहाल देश की निगाह आगामी एक फरवरी को पेश किए जाने वाले बजट पर है। ऐसे संकेत हैं कि कोरोना संकट के बीच कृषि और किसान हितों, बुनियादी ढांचे की मजबूती, उद्योग-कारोबार की गतिशीलता, शेयर बाजार को प्रोत्साहन, रोजगार के नए अवसर, महंगाई पर नियंत्रण, नई मांग का निर्माण, टीकाकरण एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ाने के अलावा छोटे करदाताओं, मध्य वर्ग, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की उम्मीदें पूरी करने के साथ विकास दर के ऊंचे लक्ष्य घोषित किए जाएंगे।

पिछले साल का बजट बनाते हुए वित्तमंत्री के सामने जितनी मुश्किलें थीं, उनकी तुलना में इस बार मुश्किलें कुछ कम हैं। सरकारी खजाने की स्थिति संतोषप्रद है। पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने और विनिवेश लक्ष्य के उम्मीद से कम होने के

बावजूद राजकोषीय घाटे के मोर्चे पर स्थिति काबू में है। चालू वित्त वर्ष में नवंबर के अंत तक सरकार की कुल प्राप्तियां 13.78 लाख करोड़ रुपये रहीं, जो बजट अनुमान का 69.8 प्रतिशत है। जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में सरकार की प्राप्तियां बजट अनुमान का 37 फीसदी ही थीं। राजस्व संग्रह में सुधार के कारण सरकार का राजकोषीय घाटा अप्रैल-नवंबर, 2021 में वित्त वर्ष 2021-22 के लक्ष्य के मुकाबले 46.2 प्रतिशत रहा, जबकि 2020-21 की समान अवधि में राजकोषीय घाटा लक्ष्य के 135.1 प्रतिशत तक पहुंच चुका था। वित्तमंत्री खेती-किसानी की राह और आसान करते हुए दिखाई दे सकती हैं। कृषि ऋण के लक्ष्य को बढ़ाकर 18 से 18.5 लाख करोड़ रुपये किया जा सकता है। चालू वित्त वर्ष में यह लक्ष्य 16.5 लाख करोड़ रुपये है।

प्राकृतिक खेती और मांग आधारित खेती के प्रोत्साहन के लिए विशेष घोषणा की जा सकती है।

खुद में ब्लैक बॉक्स

-निर्मल असो-

ब्लैक बॉक्स फुदक रहा था। उसे राष्ट्रीय घोषित किया जा चुका था, बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद में ब्लैक बॉक्स अब एक अनिवार्य अंग की तरह हमारी अखंडता का प्रतीक मान लिया गया था। देश अब ह्यकुछ भी हो सकता हैह्न जैसी परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए यह सुनिश्चित कर रहा है कि कुछ न होने के लिए हर नागरिक को ब्लैक बॉक्स से जोड़ दिया जाए। दरअसल ब्लैक बॉक्स अब लोकतंत्र का ऐसा तंत्र विकसित करेगा जिससे हर नागरिक अपने-अपने हाल पर सुरक्षित मान लिया जाएगा। मुफ्त राशन के बाद मुफ्त ब्लैक बॉक्स का वितरण शुरू करते हुए सभी नेतागण प्रसन्नता के साथ आश्वासन दे रहे हैं कि जनता अब महसूस करेगी कि वह सुरक्षित है। जनप्रतिनिधि इस प्रयास में थे कि शीघ्र अति शीघ्र हर घर ब्लैक बॉक्स पहुंच जाए ताकि कोई यह न कह पाए कि आजादी के बाद कुछ खास नहीं किया। अब जो कुछ करना है, ब्लैक बॉक्स को ही करना है। जब कभी कहीं कोई शिकायत होगी तो यही बताएगा कि हो क्या रहा है। अब तक एक ब्लैक बॉक्स मेरे घर में भी लग चुका है। पड़ोसी से पहले लगा क्योंकि हम सरकार की हर योजना का लाभ उठाना जान चुके हैं। मुझे लगा ब्लैक बॉक्स आ गया, मतलब यह सरकार को मेरा हाल सुनाएगा, लेकिन यह उल्टा मुझे ही नियंत्रित करने लगा। इसने पहले ही दिन मुझे झोंपड़ी से बाहर निकलने से रोकते हुए कहा कि बाहर से बेहतर अब घर है। खेत में जाने लगा तो फिर ब्लैक बॉक्स ने रोकते हुए कहा कि खेती से अच्छा है मुफ्त का राशन खाओ। ब्लैक बॉक्स मुझे हर दिन समझा देता है कि जिंदगी में कुछ न करने से ही कुछ न कुछ सुरक्षित होगा, वरना उम्रभर ह्यकुछ भी हो सकता हैह्न, के भय में रहोगे। ब्लैक बॉक्स मेरे धर्म के अनुकूल, जाति के स्वरूप और राजनीति के बहुरूप को एक साथ संतुष्ट करता है। यानी जब से ब्लैक बॉक्स आया है, मैं खुद में सशक्त हो रहा हूं। कभी अपनी जाति के कारण और कभी धर्म के कारण या कभी देश को आलोचना से दूर रखकर, बल्कि अब तो मैं ब्लैक बॉक्स का ही मुखबिर हो गया हूं। मैं अपने दाएं-बाएं से सुरक्षित इसलिए हूं क्योंकि मेरा ब्लैक बॉक्स सत्ता का अति भरोसेमंद है। यह बिना दुर्घटना भी बता सकता है कि कहां परिस्थितियां बिगड़ सकती हैं। दरअसल इसी ब्लैक बॉक्स के कारण मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सत्ता गई है। इसे मालूम है ।

बाकी सब बहाना है संविधान ही असली निशाना है

-शकील अख्तर-

इन दोनों नेताओं की विवश छवि बनने से दलित पिछड़ों का सबसे बड़ा नुकसान हुआ। कमजोर अपने नेता को ताकतवर देखना चाहता है। उसकी शक्ति में उसे अपनी मुक्ति की संभावनाएं दिखाई पड़ती हैं। मगर इन दोनों नेताओं के शरणागत होने के बाद पूरे देश में और खासतौर से यूपी में सामाजिक न्याय की गति स्थिर हुई है। लेकिन भाजपा और संघ परिवार इतने से संतुष्ट नहीं हैं। वे पूरी तरह मनुवादी व्यवस्था चाहते हैं। संविधान इसमें सबसे बड़ी बाधा है। जिसने सब को समान अधिकार दे दिए हैं। असली निशाना संविधान है। बाकी सब बहाना है। इस संविधान ने ही दलित, पिछड़े को समान अधिकार दिए हैं। जो सबसे ज्यादा चुभते हैं। दलित, पिछड़ों को उनकी पूर्व स्थिति पर लाना ही मुख्य उद्देश्य है। जहां उनके पास कोई कानूनी अधिकार नहीं हों केवल यथास्थितिवादी समाज की व्यवस्था के अनुसार वे अपने सामाजिक दर्जे के अनुरूप रहें। 15 अगस्त 1947 बदलना थोड़ा मुश्किल है। हालांकि पद्मश्री माननीया कंगना रनौत जी कह चुकी हैं कि वह तो भीख में मिली आजादी थी। अंग्रेज इतने बड़े दिल के थे कि आजादी जैसी चीज भी भीख में दे देते थे। खैर तो कंगना जी ने कहा कि देश दरअसल 2014 में आजाद हुआ जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने। तो बदलने को तो 15 अगस्त 1947 की तारीख भी है। मगर उसका नंबर शायद बाद में आएगा। पहले 26 जनवरी 1950 को मिटाना है। अभी हरिद्वार से लेकर रायपुर तक जो धर्म संसदें हुई उनमें संविधान पर सबसे ज्यादा हमले किए गए। 1977 में केन्द्र में जनता पार्टी की सरकार में तो संविधान बदलने की मुहिम ही सबसे पहले शुरू हुई थी। दो चीजों पर उस सरकार का सबसे ज्यादा फोकस था। एक स्वमूत्र पीने पर और दूसरे संविधान, तिरंगा बदलने पर। मगर उस समय इन्दिरा गांधी थीं। उन पर मुकदमे चलाए, गिरफ्तार किया। मगर वे कहां डरने वाली थीं। वे ही थीं जिन्होने अमेरिका से कह दिया था कि सातवां नहीं आठवां या चाहे जोन सा समुद्री बेड़ा पहुंचा दो। बांग्ला देश में आजादी की ज्योति जलेगी।

वह आज भी जल रही है। और तब तक जलेगी जब तक अमेरिका, चीन या कोई और वापस पाकिस्तान और बांग्ला देश का विलय न करवा दें। और वह भी शर्त है कि यहां भारत में उस समय कांग्रेस की सरकार नहीं होना चाहिए। नहीं तो चाहे जो कीमत अदा करना पड़े राहुल गांधी या कोई और बांग्ला देश में जल रही भारत के वीर जवानों के शौर्य की उस ज्योति को नहीं बुझने देंगे। अभी राहुल ने कह दिया। बड़ी बात कही कि इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति फिर जलाएंगे। आज सब जगह डर का माहौल है। कोई कुछ नहीं बोलेगा। मगर राहुल के यह विश्वास भरे शब्द भारतीय फौज, शहीदों के परिवारों से लेकर देश के अनगिनत लोगों के लिए बहुत बड़ी हिम्मत का काम करेंगे।

अमर जवान ज्योति का तो हिन्दू मुसलमान से कोई ताल्लुक नहीं था। सिर्फ और सिर्फ भारतीय सेना के शौर्य और विजय से उंचे उठे गर्वित सिर से था। मगर उसे बुझा दिया। कहा विलय कर रहे हैं। जैसे खेती किसानी का पूंजीपतियों की हवस के साथ कर रहे थे। देश ने वह भी कामयाब नहीं होने दिया। और यह भी नहीं होगा। डर के उन शिखर क्षणों में भी किसान नहीं घबराया। कुर्बानियां दीं। मगर अंत में प्रधानमंत्री से माफी मंगवा ही ली। किसानों के बाद अब जवानों की शहादत का अपमान है। इसका बदला जनता को लेना होगा।

कौन सी जनता? वही दलित, पिछड़े जिनका सशक्तिकरण सबसे ज्यादा तकलीफ पहुंचाता है। देश में पिछले साढ़े सात साल से जो हिन्दू मुसलमान बढ़ाया जा रहा है। वह सबके सामने है। दिखता है। मगर इससे कई गुना ज्यादा देश में आरक्षण के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसके बारे में मीडिया बताता नहीं है। मीडिया का इसे हंड्रेड परसेन्ट समर्थन प्राप्त है। हिन्दू मुसलमान में तो मीडिया का एक हिस्सा धर्मनिरपेक्ष करेक्टर दिखाता भी है। मगर आरक्षण के मामले में वह पूरी तरह आरक्षण विरोधियों के साथ है। आरक्षण अपने आप में कुछ नहीं है। बल्कि वह एक पूरा पैकेज है।

खेल संदेश

एशेज टेस्ट में वापसी करेंगी बेथ मूनी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट मैच के लिए टीम में वापसी करेंगी। मूनी को एडिलेड में खेले गए पहले टी20 मैच से पहले अभ्यास के दौरान जबड़े में चोट लग गई थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी की गई थी। मूनी अब फिट हैं और टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं। एशेज टेस्ट गुरुवार से कैनबरा में शुरू होगा। बुधवार को कैनबरा में कप्तान मेग लैनिंग ने पुष्टि की कि मूनी मनुका ओवल में होने वाले टेस्ट में खेलेंगी।

लैनिंग ने कहा, "मूनी को चिकित्सकीय दृष्टिकोण से खेलने के लिए फिट करार दिया गया है। यह टीम के लिए अच्छा है। यह उसके आराम के स्तर और फिट होने के बाद आत्मविश्वास हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण हो। उसे कोई समस्या नहीं थी।" कप्तान ने आगे कहा, "यह बहुत अविश्वसनीय है। जिस क्षण से वह चोटिल हुई थी, वह पूरी स्थिति के बारे में काफी सकारात्मक थी। जबड़े की सर्जरी के लगभग एक हफ्ते बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए वापस आना समूह के लिए काफी प्रेरणादायक है और वह वास्तव में सभी के आसपास सकारात्मक रही है। वह नेट्स और मैदान में भी बहुत अच्छी दिखती है इसलिए उसे विश्वास है कि उसे आगे बढ़ने में कोई दिक्कत नहीं होगी।"

छह टीमों का पाकिस्तान सुपर लीग कराची और लाहौर में

इस्लामाबाद। छह टीमों का पाकिस्तान सुपर लीग टी20 क्रिकेट टूनामेंट कराची और लाहौर में बृहस्पतिवार से खेला जायेगा जिसके लिये पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कोरोना महामारी से जुड़े कड़े स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किये हैं। पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा ने बताया, मौजूदा माहौल में सारे अंतरराष्ट्रीय टूनामेंट हो रहे हैं क्योंकि अब महामारी को लेकर अधिक सूचना और जागरूकता है। कराची में टूनामेंट का पहला चरण कल शुरू होगा जिसके बाद 10 फरवरी से मैच लाहौर में होंगे। प्लेआफ और फाइनल भी 27 फरवरी को लाहौर में खेला जायेगा। पिछले साल मार्च में छह खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद पीएसएल स्थगित कर दिया गया था। उसके बाद जून में अबुधाबी में इसका आयोजन हुआ। पीसीबी ने उसी कंपनी की सेवायें सातवें सत्र के लिये ली है जिसने पिछले साल अबुधाबी में बायो बबल इंतजाम किये थे। नेशनल स्टेडियम पर कराची किंग्स और मुल्तान सुल्तांस के बीच होने वाले पहले मैच से पूर्व ही लीग पर कोरोना का साया पड़ गया है। पेशावर जाल्मी के विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल समेत तीन खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के पांच सदस्य पॉजिटिव पाये गए हैं।टूनामेंट की तकनीकी समिति ने अकमल की जगह इमामुल हक को खेलने की अनुमति दे दी है।

सिडनी सिक्सर्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप कोरोना संक्रमित

सिडनी। बिग बैश लीग (बीबीएल) टीम सिडनी सिक्सर्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप कोरोना संक्रमित हो गए हैं। बुधवार को सिक्सर्स ने उक्त जानकारी दी। सिडनी सिक्सर्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "टीम से स्टार सलामी बल्लेबाज व विकेटकीपर जोश फिलिप को बाहर कर दिया है।

उनका कोविड-19 परीक्षण रिपोर्ट औज सकारात्मक आई है। पिछले सप्ताह जैक और मिकी एडवर्ड्स भी कोरोना संक्रमित हो गए थे। तीनों खिलाड़ी अलगाव में हैं और ठीक हैं।" सिडनी सिक्सर्स ने बुधवार शाम को एससीजी में एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए 14-खिलाड़ियों की टीम का चयन किया है।

टीम में अनुभवी बल्लेबाज डेनियल ह्यूजेस को शामिल किया गया है, लेकिन स्ट्राइकर्स के खिलाफ खेलने से पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट पास करने होगी। टीम में विकेटकीपर/बल्लेबाज जे लेंटन शामिल हैं जो महीने की शुरूआत से टीम के साथ हैं।

विदित ने रैपोर्ट से ड्रॉ खेला, संयुक्त तीसरे स्थान पर

विज्क आन जी (नीदरलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूनामेंट के नौवें दौर में हंगरी के रिचर्ड रैपोर्ट से ड्रॉ खेला और अब वह संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा का खराब फॉर्म जारी रहा और सर्जेइ कर्जाकिन से वह हार गए जो उनकी लगातार तीसरी हार है। वह ढाई अंक लेकर 14 खिलाड़ियों में 13वें स्थान पर हैं। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अजरबैजान के शखरियार मामेदियारोव को हराकर बढत बना ली है। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने सैम शैंकलैंड को हराया और वह उनसे आधा अंक पीछे हैं। साथ में खेले जा रहे चैलेंजर्स टूनामेंट में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने चीन की महिला ग्रैंडमास्टर जिनेर झू को नौवें दौर में हराकर दो अंक की बढत बना ली। अब उनका सामना पोलिना शुवालोवा से होगा। भारत के सूर्यशेखर गांगुली को योनास बुल ब्येरे ने हराया। अब वह चार अंक लेकर नौवें स्थान पर हैं।

मलिंगा को सौंपी जा सकती है श्रीलंका के तेज गेंदबाजी सलाहकार कोच की कमान : रिपोर्ट

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा का राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाजी सलाहकार कोच बनने की अटकलें तेज हो गई हैं। क्रिकेट सलाहकार समिति ने उनके नाम की सिफारिश श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की कार्यकारी समिति से की है। रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया है कि, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से मुंबई इंडियंस के लिए एक दशक से अधिक समय तक खेलने वाले 38 वर्षीय मलिंगा ऑस्ट्रेलिया के आगामी टी20ई दौरे के लिए श्रीलंकाई टीम की तैयारियों की देखरेख करेंगे, जहां टीम पांच मैच खेलेंगी। मलिंगा अपने स्लिंग-शॉट एक्शन के कारण दुनिया के सबसे सफल टी 20 गेंदबाजों में से एक हैं और श्रीलंकाई आइकन हैं।

मलिंगा की कप्तानी में श्रीलंका ने 2014 में टी20 विश्व कप जीता, क्योंकि वह निलंबित दिनेश चांदीमल की जगह में आए थे। हालांकि, कप्तान के रूप में उनका कुल रिकॉर्ड खराब है। उन्होंने नौ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का नेतृत्व किया और टीम को सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उनके नेतृत्व में, श्रीलंका ने 24 टी20 मैचों में से 15 में हार का सामना करना पड़ा था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिकेट सलाहकार समिति ने मलिंगा को तेज गेंदबाजी सलाहकार कोच के रूप में समर्थन देने पर अपनी आपत्ति जताई थी। समिति में कुमार संगकारा, अरविंद डी सिल्वा और मुथैया मुरलीधरन जैसे दिग्गज शामिल हैं। मलिंगा की सिफारिश कथित तौर पर पूर्व कप्तान और सलाहकार कोच महेला जयवर्धने की ओर से की गई थी।

गणतंत्र दिवस 2022 पर क्रिस गेल ने दी बधाई, प्रधानमंत्री मोदी से मिला खास संदेश

किंग्सटन। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर क्रिस गेल ने बुधवार को भारत को 73वें गणतंत्र दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक निजी संदेश मिला है। उन्होंने ट्वीट कर-के कहा, मैं भारत को 73वें गणतंत्र दिवस पर बधाई देना चाहता हूं। मुझे प्रधानमंत्री मोदी का एक निजी संदेश मिला, जिसमें उनके और भारत के लोगों के साथ मेरे घनिष्ठ संबंधों का जिक्र था। यूनिवर्स बास की ओर से बधाई और प्यार।

बता दें कि गेल को भारत में बहुत लोकप्रियता हासिल है। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में खेलते देखना लोगों को काफी पसंद है। उन्होंने टूनामेंट में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि, उन्होंने आरसीबी के सबसे बढ़िया प्रदर्शन किया। इस टीम के लिए उन्होंने 91 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 154.40 के स्ट्राइक रेट से 3420 रन बनाए हैं। वह विराट कोहली और एबी डिविलियर्स के बाद आरसीबी के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। हालांकि, अब फैंस को आइपीएल में गेल को खेलते हुए देखने का मौका नहीं मिलेगा, क्योंकि इस साल की नीलामी सूची में सलामी बल्लेबाज का नाम नहीं है। 12-13 फरवरी को मेगा आक्शन होना है। इसमें उनका नाम नहीं है। गेल ने अपने शानदार करियर में 103 टेस्ट, 301 एकदिवसीय और 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से आधिकारिक तौर पर संन्यास लेने की घोषणा नहीं की है। इसके अलावा वह दुनियाभर के टी-20 लीग में खेलते दिखाई देते हैं।

युवराज के घर गूंजी किलकारी, सौरव गांगुली, लक्ष्मण और कैफ समेत खेल जगत से जुड़े अन्य लोगों ने दी बधाई

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह पिता बन गए हैं। पत्नी हेजल कीच ने बेटे को जन्म दिया है। पूर्व क्रिकेटर ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। युवराज ने अपने फैंस और फालोअर्स को इस खुशखबरी की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। मंगलवार रात को ट्विटर और इंस्टाग्राम पर युवराज ने इसकी जानकारी। इस बीच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, मोहम्मद कैफ और हरभजन सिंह समेत खेल जगत से जुड़े अन्य लोगों ने बधाई दी है। युवराज ने लिखा, अपने सभी प्रशंसकों, परिवार और दोस्तों को हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आज भगवान ने हमें एक बच्चे का आशीर्वाद दिया है। हम इस आशीर्वाद के लिए भगवान को धन्यवाद देते हैं और चाहते हैं कि आप हमारी निजता का सम्मान करें । लव, हेजल एंड युवराज। युवराज की तरह हेजल ने भी इस खुशखबरी की जानकारी देने के लिए अपने आफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐसा ही ट्वीट पोस्ट किया है।

इस जोड़े ने 2016 में शादी की थी। बता दें कि युवराज सिंह ओमान में खेले जा रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट के 2022 सेशन में इंडियन महाराजा टीम के हिस्सा हैं, लेकिन वह शुरूआती तीन मैचों में खेलते नजर नहीं आए हैं। टूनामेंट की शुरूआत से ठीक पहले जानकारी सामने आई थी कि बाएं हाथ का यह क्रिकेटर कुछ निजी कारणों से शुरू के कुछ मैचों में नहीं खेलेगा। इससे पहले वह पिछले साल रोड सेफ्टी सीरीज में इंडिया लीजेंड्स के लिए खेलते नजर आए थे। 40 वर्षीय युवराज ने 2003 में जिमखाना क्लब ग्राउंड में खेले गए वनड मैच में केन्या के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। महान आलराउंडर ने टीम इंडिया के लिए 40 टेस्ट, 304 एकदिवसीय और 58 टी-20 खेले। युवराज इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में पंजाब किंग्स (तब किंग्स इलेवन पंजाब), पुणे वारियर्स, रायल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया। उ्होंने 2019 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी।

उतार-चढ़ाव भरे मैच में हरियाणा और टाइटंस ने अंक बांटे

बेंगलुरु। शेराटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड होटल एवं कन्वेंशन सेंटर में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन का 77वां मैच में रोमांच के तमाम उतार-चढ़ाव के बाद 39-39 से टाई समाप्त हुआ। हरियाणा स्टीलर्स ने 35वें मिनट तेलुगू टाइटंस को ऑल आउट कर 38-33 की लीड ले रखी थी लेकिन टाइटंस ने शानदार वापसी करते हुए हरियाणा को अंक बांटने पर मजबूर किया। दोनों टीमों का यह तीसरा टाई मुकाबला है। इस टाई के साथ हरियाणा की टीम टॉप-3 में पहुंच गई है। रेडिंग में कप्तान विकाश कंडोला (10) ने सीजन का चौथा सुपर-10 लगाया जबकि रोहित गुलिया और विनय ने 8-8 अंक लिए। डिफेंस की बात की जाए तो इस सीजन के टॉप डिफेंडर जयदीप ने चार और मोहित ने तीन अंक लिए। इस सीजन में जीत के लिए तरस रही टाइटंस ने इस मैच में जबरदस्त वापसी की और एक समय लीड में थे फिर उन्होंने लीड गंवा दी। बावजूद इसके टाइटंस ने मैच में वापसी की और अपनी 11वीं हार टाल दी। टाइटंस के लिए डिफेंडर संदीप कंडोला (5 अंक) और अंकित बेनीवाल (10 अंक) ने चमक बिखेरी। पहला हाफ काफी रोचक रहा। शुरूआती 13 मिनट में हरियाणा ने टाइटंस को ऑल आउट कर 14-९ की लीड बना ली थी लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले टाइटंस ने हिसाब बराबर करते हुए स्कोर 19- 20 कर दिया। इस हाफ में संदीप कंडोला (4 अंक) के नेतृत्व में टाइटंस का डिफेंस बेहतर खेला। हरियाणा के लिए जयदीप और मोहित ने दो-दो टैकल प्वाइंट लिए लेकिन बावजूद इसके स्टीलर्स इस विभाग में पीछे रह गए।

रेडिंग में हालांकि स्टीलर्स ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 12 अंक लिए लेकिन डिफेंस ने सात सफल टैकल (एक सुपर टैकल सहित) के साथ टाइटंस की वापसी कराई। अच्छी बात यह रही कि रवि को छोड़कर स्टार्टिंग-7 में शामिल हरियाणा के सभी खिलाड़ियों ने अंक लिए, जिसमें कप्तान विकाश के सबसे अधिक पांच अंक शामिल हैं। ब्रेक के बाद कप्तान रोहित सेल्फ आउट हुए। हालांकि इसके बाद टाइटंस ने दो अंक लिए। अंकित ने कप्तान को रिवाइव कराया। फिर हरियाणा के खाते में सातवां बोनस आया। फिर सुरेंदर ने रोहित गुलिया के खिलाफ एडवांस टैकल की गलती की। अगली रेड रोहित की थी और वह तीन अंकों के साथ लौटे।

स्कोर 23-24 हो गया था। विकाश की अगली रेड पर स्टीलर्स को दो अंक मिले। हालांकि अगली रेड पर वह लपक लिए गए। फिर डू ओर डाई रेड पर अंकित बेनीवाल गए और दो अंक लेकर लौटे। टाइटंस ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 26-26 कर दिया। हरियाणा दूसरी बार ऑल आउट की कगार पर थे। रोहित गुलिया ने अगली रेड पर बोनस लिया लेकिन फिर उनकी टीम 30वें मिनट में ऑलआउट हो गई। अब टाइटंस 30-28 से लीड ले चुके थे। आलइन के बाद विनय ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ स्कोर बराबर कर दिया। हरियाणा के डिफेंस ने बोनस लेने के बाद अंकित को डैश कर दिया। फिर टाइटंस के डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर विकाश को लपक हिसाब बराबर कर दिया। अगली रेड पर जयदीप ने फिर आदर्श को डैश कर स्कोर 32-32 कर दिया। पांच मिनट बचे थे, टाइटंस के लिए सुपर टैकल आन था। विकाश ने दो अंक लेकर न सिर्फ अपना पांचवां सुपर-10 पूरा किया बल्कि 38- 33 स्कोर के साथ मैच में हरियाणा की जबरदस्त वापसी कराई क्योंकि टाइटंस दूसरी बार ऑल आउट हुए। आलइन के बाद अंकित ने अपनी अगली रेड पर बोनस लिया और फिर टाइटंस के कप्तान रोहित नेविकाश को डैश कर दिया। अब लीड 2 अंक की थी। समय 47 सेकंड बचे थे। अंकित अहम रेड परगए। लह अंक लेकर आए और स्कोर 37-38 कर दिया। अगली रेड विनय की थी लेकिन अंकित ने उनके खिलाफ गलती कर दी। हरियाणा को 39-38 की लीड मिल चुकी थी। मैच की अंतिम रेड पर विकाश थे।

वह लपक लिए गए। इस तरह यह मैच 38-38 से टाई समाप्त हुआ।

आईएसएल : मुंबई सिटी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रा

फातोरदा। मौजूदा चैम्पियन मुंबई सिटी और फिसड्डी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की जीत से दूरी मंगलवार को भी बरकरार रही, क्योंकि इन दोनों टीमों ने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 का लीग मुकाबला 1-1 से ड्रा खेलकर अंक बांट लिए। मुंबई के ब्राजीली अटैकिंग मिडफील्डर कैसिओ गैब्रिएल को मिडफील्ड में शानदार प्रदर्शन के लिए हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया। इस ड्रा से मुंबई का जीत से वंचित रहने का अनचाहा सिलसिला छह मैचों का हो गया है, लेकिन उसकी शीर्ष चार में फिर से वापसी हो गई है। कोच डेस बकिंगहम की टीम की 12 मैचों से 18 अंक जुटाकर पांचवें से चौथे स्थान पर आ गई है। मुंबई ने पांच मैच जीते हैं और तीन ड्रा खेले हैं। वहीं, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड 11 टीमों की तालिका में 10वें स्थान पर बरकरार है। कोच खालिद जमील की टीम 14 मैचों में दो जीत और चार ड्रा से मात्र 10 अंक जुटा सकी है। आज के ड्रा से नॉर्थईस्ट के भी जीत से दूर रहने का सिलसिला सात मैचों तक पहुंच गया है।

यहां जवाहर लाल स्टेडियम में खेले गए मैच का पहला गोल 30वें मिनट में आया, जब मुंबई को पेनल्टी के रूप में एक सुनहारा अवसर मिला और मोरक्कन डिफेंसिव मिडफील्डर अहमद जहौह ने सटीक राइट फुटर से गेंद को बाई तरफ गोलजाल में उलझाकर इसे गोल में तब्दील कर दिया। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के गोलकीपर मोहम्मद नवाज के पास दाहिनी तरफ डाइव लगाने के बावजूद गेंद को रोकने का कोई अवसर नहीं था। मुंबई 1-0 से आगे हो गई। यह सुनहरा अवसर उस समय बना, विक्रम प्रताप गेंद लेकर खतरनाक ढंग से बॉक्स के अंदर घुसे और टार्गेट पर शॉट लगाने ही वाले थे। लेकिन उनको नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के डिफेंडर मशहूर शरीफ ने गिराकर फाउल कर दिया और रैफरी रोवन अरुमुघम ने पेनल्टी किक देने में कोई देरी नहीं की।

79वें मिनट में मोहम्मद इरशाद के गोल से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड 1-1 की बराबरी पर आ गई। स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने के छह मिनट बाद ही इरशाद ने यह गोल दागा।

एक कॉर्नर किक को मुंबई डिफेंडरों ने क्लियर तो किया, लेकिन गेंद हर्नान सैंटेना के पास पहुंची और उन्होंने बाई तरफ बॉक्स के अंदर इरशाद की तरफ गेंद डाली, जिसे उन्होंने राइट फुटर शॉट लगाकर दाहिनी तरफ गोलजाल में पहुंचा दिया। मुंबई के गोलकीपर मोहम्मद नवाज अपने बाई तरफ डाइव लगाने के बावजूद गेंद तक नहीं पहुंच सके। यह दोनों टीमों के बीच इस सीजन में दूसरा ड्रा रहा। क्योंकि पिछली बार लीग के पहले चरण में दोनों टीमों के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला 3-3 की बराबरी पर छूटा था।

हॉकी इंडिया ने वंदना कटारिया को पद्म श्री पुरस्कार के लिए नामित होने पर दी बधाई

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को वंदना कटारिया को प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार के लिए नामित किए जाने पर बधाई दी। 29 वर्षीय वंदना इस वर्ष के एकमात्र हॉकी खिलाड़ी हैं, जिन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा।

उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रोशनाबाद की रहने वाली वंदना ने हाल ही में भारत के लिए 250 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए हैं। वह भारतीय महिला टीम के लिए एक अनुभवी आक्रमण लाइन का हिस्सा रही हैं और भारत के कई महत्वपूर्ण जीतों की गवाह रही हैं। वह ओलंपिक खेलों के मैच में गोल की हैट्रिक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी भी बनीं।

वह टोक्यो ओलंपिक में भारत के ऐतिहासिक चौथे स्थान का हिस्सा थीं और 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 में एशिया कप, 2014 में एशियाई खेलों में कांस्य और 2018 में रजत सहित कई अन्य उपलब्धियों में भारतीय जीत का हिस्सा रही हैं।

डबल ओलंपियन ने अपने करियर की शुरूआत रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के लिए खेलते हुए की और 2006 में भारतीय जूनियर महिला टीम में जगह बनाई।

बहुमुखी फारवर्ड वंदना जर्मनी के मोनचेंगलाडबैक में एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप महिला 2013 में देश की शीर्ष स्कोरर थीं, जहां भारत ने कांस्य पदक जीता था।

उसी वर्ष वंदना मलेशिया में 8वें महिला एशिया कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा बनीं।

वंदना को प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार के लिए नामित किए जाने पर बधाई देते हुए, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र निंगोमबम ने कहा, "यह महिला हॉकी के लिए बहुत गर्व का क्षण है।

मैं वंदना को प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार के लिए नामित किए जाने पर बधाई देता हूं। वह महिला हॉकी टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक रही है और पिछले एक दशक में विश्व स्तर पर महिला हॉकी के उदय का हिस्सा रही है और मेरी इच्छा है कि वह राष्ट्रीय टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखें।"

हॉकी इंडिया ने पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ी चरणजीत सिंह के निधन पर किया शोक व्यक्त

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को हॉकी के दिग्गज पद्म श्री और अर्जुन पुरस्कार विजेता चरणजीत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका 92 वर्ष की उम्र में हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण निधन हो गया।

दो बार के ओलंपियन चरणजीत सिंह भारत के गौरवशाली दिनों का हिस्सा थे। चरणजीत सिंह ने 1964 के टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का नेतृत्व किया था। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर स्वर्ण हासिल किया था। इसके अलावा वह रोम में 1960 के ओलंपिक खेलों में रजत जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे।

20 नवंबर 1929 को जन्मे चरणजीत सिंह कर्नल ब्राउन कैम्ब्रिज स्कूल, देहरादून और पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र थे। अंतरराष्ट्रीय हॉकी में अपने शानदार करियर के बाद, उन्होंने शिमला में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक के रूप में काम किया।

चरणजीत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम ने कहा, "यह हॉकी बिरादरी के लिए एक दुखद दिन है। अपने बुढ़ापे में भी, वह हर बार हॉकी के बारे में बातचीत करते थे। वह हर उस महान क्षण को सही ढंग से याद कर सकते थे जो जब वह हॉकी के भारत के सुनहरे दिनों का हिस्सा थे। उन्होंने खिलाड़ियों की एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित किया। वह एक बहुत ही शांत नेतृत्व वाले कप्तान थे और उन्हें मैदान पर उनके अविश्वसनीय कौशल और मैदान के बाहर उनकी विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। हॉकी इंडिया की ओर से मैं उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

यूक्रेन में प्रवेश करने पर रूस को गंभीर परिणाम भुगतने होंगेः बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडनने मंगलवार को रूस को चेताया कि अगर उसने यूक्रेन में दाखिल होने की कोशिश की तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि रूस अगर यूक्रेन में प्रवेश करने का फैसला लेता है तो उसे बेहद गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे, जिनमें कड़े आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल हैं। यही नहीं, मैं पूर्वी क्षेत्र (पोलैंड, रोमानिया आदि) में अमेरिकी सेना और नाटो की मौजूदगी बढ़ाने में भी गुरेज नहीं करूंगा।मंगलवार सुबह बाइडन ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम

के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा, रूसी बलों की तैनाती में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बेलारूस की पूरी सीमा पर रूसी सैनिक मौजूद हैं। बाइडन ने स्पष्ट किया कि अमेरिका की यूक्रेन में अपने सैनिकों या नाटो बलों को भेजने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा, लेकिन मैं पहले ही कह चुका हूं कि अगर रूसी सेना यूक्रेन में दाखिल होती है तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम होंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने संवाददाताओं को बताया कि सीमा पर एक लाख रूसी सैनिक मौजूद हैं, जो युद्ध भड़काने वाली बयानबाजी और कार्रवाई के जरिये दुनियाभर में दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि यूक्रेन पर हमले की पृष्ठभूमि तैयार हो सके। साकी ने कहा, हम कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता देंगे, लेकिन हम नहीं जानते कि राष्ट्रपति पुतिन के दिमाग मंक क्या चल रहा है। हमने सीमा पर आक्रामक कार्रवाई और तैयारियां देखी हैं। साकी ने क्षेत्र में तनाव घटाने की किसी भी कोशिश का स्वागत किया। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन संकट को लेकर अपने कई सहयोगियों और साझेदारों के संपर्क में हैं। हालांकि, मेरे पास भारतीय अधिकारियों से चर्चा पर स्पष्ट रूप से बताने के लिए कुछ भी नहीं है।

अमेरिकी पाबंदियों को ठेंगा, उत्तर कोरिया ने किया छठा मिसाइल परीक्षण

प्योंगयांग। अमेरिकी पाबंदियों को ठेंगा दिखाते हुए उत्तर कोरिया ने इस वर्ष छठा मिसाइल परीक्षण कर लिया है। गुरुवार सुबह जापान सागर में उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइल दाग कर अमेरिका को खुली चुनौती दी है। उत्तर कोरिया इस साल अब तक छह मिसाइल परीक्षण कर चुका है। उत्तर कोरिया ने इस साल छह जनवरी को पहला मिसाइल परीक्षण किया था। इसके बाद 11 जनवरी और 17 जनवरी को बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण

किये गए थे। इस साल के पहले मिसाइल परीक्षण को उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल परीक्षण बताया था लेकिन दक्षिण कोरिया ने इस बात को मानने से इनकार कर दिया था। हालांकि अब दक्षिण कोरियाई सेना ने पुष्टि कर दी है कि उत्तर कोरिया हाइपरसोनिक मिसाइल दागने में सक्षम हो गया है। उत्तर कोरिया के लगातार मिसाइल परीक्षणों के बाद अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ से उत्तर कोरिया पर पाबंदी लगाने को कहा था, किन्तु रूस और चीन ने अमेरिकी प्रयासों पर पानी फेर दिया था। इसके बाद अमेरिका ने पिछले हफ्ते एकतरफा प्रतिबंध लगाते हुए आठ प्रतिष्ठानों को काली सूची में डाल दिया था। इन छह उत्तर कोरियाई और दो रूसी प्रतिष्ठानों पर चीन से परीक्षण कार्यक्रमों के लिए सामान खरीदने का आरोप लगाया गया था। उत्तर कोरिया इस तरह के मिसाइल परीक्षण करके अमेरिका को खुली चुनौती दे रहा है। उत्तर कोरिया ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह अमेरिका पाबंदियों से डरने वाला नहीं है और अपना परमाणु कार्यक्रम लगातार जारी रखेगा।

वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में और नीचे गिरा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान 2021 के वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में 16 पायदान नीचे गिर गया है और 180 देशों में इसका स्थान 140वां है। यह बात ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कही। यह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान सरकार के लिए एब बड़ा झटका है जो एक स्वच्छ शासन प्रणाली लाने के वादे के साथ सत्ता में आयी थी। वैश्विक भ्रष्टाचार से निपटने के लिए गठित बर्लिन स्थित गैर-लाभकारी संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में भ्रष्टाचार का स्तर स्थिर है तथा 86 प्रतिशत देशों ने पिछले 10 वर्षों में बहुत कम या कोई प्रगति नहीं की है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) ने अपने 2021 संस्करण में, 180 देशों और क्षेत्रों को सार्वजनिक क्षेत्रों के भ्रष्टाचार के उनके कथित स्तरों के आधार पर शून्य (अत्यधिक भ्रष्ट) से 100 (बहुत स्वच्छ) के पैमाने पर रैंक करता है तथा इसके लिए 13 विशेषज्ञ आकलन और उद्योग प्राधिकारियों के सर्वेक्षणों का इस्तेमाल करते हैं।

2020 में, पाकिस्तान का सीपीआई 31 था और 180 देशों में से उसका स्थान 124वां था। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, देश का भ्रष्टाचार स्कोर अब घटकर 28 हो गया है, जबकि यह सूचकांक में कुल 180 देशों में से 140 वें स्थान पर है। तुलनात्मक रूप से, भारत का स्कोर 40 है और इसका स्थान 85वां है, जबकि बांग्लादेश का सीपीआई 26 है और इसका स्थान 147वां है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पर अपनी सरकार के प्रदर्शन में सुधार करने का दबाव है, जो 2018 में स्वच्छ शासन प्रणाली शुरू करने के वादे पर सत्ता में आयी थी। जवाबदेही पर उनके सलाहकार शहजाद अकबर ने भ्रष्ट तत्वों को कानून के दायरे में लाने को लेकर अपने खराब प्रदर्शन की खबरों के बीच सोमवार को पद छोड़ दिया।

फ्लोरिडा के तट पर नाव पलटने से 39 लोग लापता

फ्लोरिडा। अमेरिका में फ्लोरिडा के तट पर एक नाव के पलट जाने से उसमें सवार 39 लोग लापता हो गए है।

अमेरिकी तटरक्षकों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। यह मामला संदिग्ध मानव तस्करी उद्यम का लगता है। बीबीसी की रिपोर्ट में तटरक्षक बल के अनुसार अधिकारियों को मंगलवार सुबह उस समय सूचना मिली जब मछुआरों ने फोर्ट पियर्स शहर से 72 किमी दूर नाव से एक व्यक्ति को चिपके हुए देखा था और इसकी सूचना उनको दी थी। उन्होंने ट्वीट किया, कोस्ट गार्ड सेक्टर मियामी के तटरक्षकों को एक सामरी से रिपोर्ट मिली, जिसने फोर्ट पियर्स इनलेट से लगभग 45 मील पूर्व में पलटी हुई नाव से एक व्यक्ति को चिपका हुआ पाया और उसको बचाया।ह्व इस दुर्घटना में बचे हुए व्यक्ति ने बताया कि शनिवार रात को 39 अन्य लोगों के साथ नाव बहामास में बिमिनी से निकली थी और उन्हें खराब मौसम का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी नाव पलट गयी। उसने बताया कि नाव में किसी ने भी जीवन रक्षक जैकेट नहीं पहन रखी थी। तटरक्षकों ने बताया कि यह मामला मानव तस्करी का लगता है। तट रक्षक और अन्य टीमें सक्रिय रूप से पानी में लोगों की तलाश कर रहे हैं।

अमेरिका में प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए बाइडन समर्थित नए विधेयक में स्टार्टअप वीजा का प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में मंगलवार को पेश किए गए महत्वाकांक्षी अमेरिका कम्पीट्स एक्ट 2022 में नए स्टार्टअप वीजा के जरिए दुनियाभर से प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

विधेयक को समर्थन देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका कम्पीट्स एक्ट 2022 ऐसे विधान को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और देश की अर्थव्यवस्था के नवोन्मेष इंजन को फिर से मजबूती मिलेगी। इसमें कहा गया है कि

इसकी मदद से अमेरिका आने वाले कई दशकों तक चीन और शेष दुनिया से आगे बना रह सकता है। इस कानून के तहत आव्रजन एव राष्ट्रीय कानून में संशोधन करके उन अस्थायी प्रवासियों के लिए एक नई श्रेणी डब्ल्यू को शामिल किया गया है, जो किसी स्टार्टअप में रुचि रखने वाले उद्यमी हैं, किसी स्टार्टअप के आवश्यक कर्मचारी हैं या उनके जीवनसाथी और बच्चे हैं। प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी द्वारा जारी विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, हस्ताक्षर होने के बाद कानून में बदल जाने के बाद यह विधेयक गृह मंत्रालय को निर्देश देगा कि वह सफल साबित होने वाले स्टार्टअप शुरू करने में रुचि रखने वाले विदेशी नागरिकों को प्रवासी उद्यमी के रूप में कानूनी स्थायी निवासी दर्जा देने की प्रक्रिया स्थापित करे।

पश्चिमी देशों के राजनयिकों, प्रतिनिधियों के साथ तालिबान की वार्ता में महिलाओं के अधिकारों पर जोर

ओस्लो। अफगानिस्तान को मानवीय सहायता और मानवाधिकार के मुद्दे पर तालिबान, पश्चिमी देशों के राजनयिकों और अन्य प्रतिनिधियों के बीच तीन दिन की बातचीत नॉर्वे में मंगलवार तक चली। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने इस चर्चा की प्रशंसा की और इसे सार्थक बताया। नार्वे की राजधानी ओस्लो की बर्फ से ढकी वादियों में हुई यह गोपनीय बैठक अफगानिस्तान के लिए महत्वपूर्ण समय पर हुई, क्योंकि बढ़ती ठंड के बीच अफगानिस्तान का आर्थिक संकट भी बढ़ रहा है। मुत्तकी ने द एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया, यात्रा बहुत अच्छी थी। इस तरह की यात्राएं हमें दुनिया के करीब लाएंगी। सहायता समूहों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का अनुमान है कि देश की आबादी के आधे से अधिक यानी लगभग 2.3 करोड़ लोग गंभीर भुखमरी का सामना कर रहे हैं और लगभग 90 लाख लोग भुखमरी के कगार पर हैं। उनका कहना है कि लोग खाना खरीदने के लिए अपना सामान बेच रहे हैं, ठंड से बचने के लिए फर्नीचर जला रहे हैं और यहां तक कि अपने बच्चों को भी बेच रहे हैं।

मुत्तकी ने कहा कि तालिबान सरकार अफगानिस्तान को किसी भी तरह की समस्याओं से बचाने, अधिक सहायता लेने, आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेगी। तालिबान मांग कर रहा है कि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा रोक कर रखी गई 10 अरब अमेरिकी डॉलर की रकम को जारी किया जाए, लेकिन अब तक उस पर कोई समझौता नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र ने कुछ नकदी प्रदान की है और तालिबान प्रशासन को बिजली सहित आयात के लिए भुगतान करने की अनुमति दी है।

वार्ता में शामिल मानवीय संगठनों में से एक नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल के महासचिव जैन एजलैंड ने कहा, पहली समस्या यह है कि पश्चिमी प्रतिबंध नकदी संकट पैदा कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि देश को सहायता राशि नहीं मिल सकती है। इस तरह से हम लोगों की जान नहीं बचा सकते, जो हमें करना चाहिए। इसलिए पश्चिम और तालिबान को बात करने की जरूरत है। और हमें नागरिकों को नुकसान पहुंचाने वाले प्रतिबंधों को खत्म करने की जरूरत है।

लेकिन प्रतिबंधों में ढील देने के लिए सहमत होने से पहले पश्चिमी ताकतें अफगान महिलाओं और लड़कियों के लिए और अधिक अधिकारों की मांग कर रही हैं, साथ ही तालिबान प्रशासन द्वारा अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक जातीय और धार्मिक समूहों के साथ सत्ता साझा करने की भी मांग की जा रही है।

यूक्रेन को अमेरिका, नाटो से हथियारों की भरमार : रूस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में रूसी स्थायी मिशन ने कहा कि यूक्रेन को अमेरिका और नोटो से जहां हथियारों की भारी खेप मिल रही है और वहीं साथ ही साथ पश्चिम देशों से अनगिनत सलाहकार भी मिल रहे हैं। मिशन ने कहा, ह्वनागरिकों और समान विचारधारा वाले देशों के बीच रूस के प्रति तीव्र और अक्सर तर्कहीन घृणा का माहौल तैयार किया जा रहा है, रूसी सैनिकों के एकत्र होने पर सभी समस्याओं का मूल कारण बताया जा रहा है। अमेरिका अमूमन यह स्पष्ट करना भूल जाता है कि यह रूसी क्षेत्र पर उसकी सेना के बारे में है।ह्व उन्होंने कहा, ह्वयह अमेरिकी और नाटो हथियारों और अनगिनत सलाहकारों के उलट है। यूक्रेन और रूसी सीमाओं से सटे कुछ अन्य राज्यों में हथियारों और सलाहकारों की होड़ लगी हुई है। रूसी तटों के पास, काला सागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण अमेरिकी नौसेना क्या कर रही है, इस पर भी कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जा रहा है।ह्व रूस द्वारा यूक्रेन की सीमाओं के पास आक्रामक कार्रवाइयों में तेजी को देखते हुए यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने हाल ही में इस पर चिंता व्यक्त की है। इस बीच रूस ने पश्चिम देश और यूक्रेन द्वारा उस लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह किसी को बेवजह धमकी नहीं देता है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

211019 से प्रकाशित स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

सीरिया के राष्ट्रपति ने जॉर्डन से लेबनान तक बिजली मुहैया कराने के आदेश दिए : मंत्री

बेरूत। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने जॉर्डन से लेबनान तक सीरिया के रास्ते बिजली मुहैया कराने की सुविधा के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का आदेश दिया है। ये जानकारी सीरिया के दौरे पर आए ऊर्जा मंत्री हसन अल-जमिल ने दी। लेबनान के राष्ट्रपति द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान में अल-जमील के हवाले से कहा गया, राष्ट्रपति असद इस परियोजना के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक हैं, जो निकट भविष्य में अरब सहयोग में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को लेबनान, जॉर्डन और सीरिया के बीच एक ऊर्जा सौदे के लिए एक हस्ताक्षर समारोह लेबनान के ऊर्जा मंत्रालय में राजधानी बेरूत में आयोजित होने वाला है। सीरियाई ऊर्जा मंत्री ने उल्लेख किया कि जॉर्डन से लेबनान तक बिजली की अनुमति देने के लिए उनके देश के बिजली नेटवर्क का पुनर्वास 2021 के अंत तक पूरा हो गया था। लेबनान के ऊर्जा मंत्री वालिद फयाद के अनुसार, यह सौदा दिन के दौरान लेबनान को 250 मेगावाट बिजली और रात में 150 मेगावाट बिजली प्रदान करेगा, जो कुल दो अतिरिक्त घंटे बिजली के बराबर है। लेबनान में बिजली गुल होने के बीच हुआ समझौता, देश के अधिकांश हिस्सों में दैनिक बिजली आपूर्ति को केवल दो घंटे से बढ़ाकर 8 घंटे करने के सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। लेबनान सरकार भी इस साल के अंत में अरब गैस पाइपलाइन के माध्यम से मिस्र से गैस आयात करने और लेबनान के बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रही है।

बिजली गुल: अंधेरे में डूबे कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिजस्तान

नूर-सुल्तान (कजाकिस्तान)। मध्य एशियाई देशों में एक साथ जोरदार बिजली संकट की जानकारी सामने आई है। तीन देश कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिजस्तान अंधेरे में डूब गए हैं। इस कारण ताशकंद हवाई अड्डे पर विमानों की आवाजाही रोक दी गयी है।

कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिजस्तान में अचानक बिजली गुल हो जाने से मध्य एशिया के तीन बड़े शहर ताशकंद, अलमाती और बिश्केक एक साथ अंधेरे में डूब गए। कजाकिस्तान बिजली ग्रिड ऑपरेटिंग कंपनी के मुताबिक उत्तरी कजाकिस्तान को दक्षिणी कजाकिस्तान से जोड़ने वाली बिजली लाइन ही ग्रिड से किर्गिस्तान व उज्बेकिस्तान को जोड़ती है।

उक्त आपूर्ति लाइन के सेंट्रल एशियन पावर सिस्टम में अचानक आपूर्ति व उपलब्धता में असंतुलन हो जाने के कारण बिजली गुल हो गयी। इस कारण तुर्किस्तान के शिमकेंत और तराज सहित दक्षिणी इलाकों में भी बिजली चली गयी। उज्बेकिस्तान के ऊर्जा मंत्री ने भी बिजली आपूर्ति ठप होने की पुष्टि की।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष पेलोसी फिर से चुनाव लडेंगी

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नेंसी पेलोसी ने घोषणा कि वह नवंबर के मध्यावधि चुनाव में फिर से चुनाव लड़ेंगी। सुश्री पेलोसी ने मंगलवार को कहा, ह्वमैं लोगों तक पहुंच बनाने और लोकतंत्र की रक्षा, कांग्रेस के लिए फिर से चुनाव लडूंगी।ह्व कैलिफोर्निया की डेमोक्रेट ने अपने वीडियो संदेश में यह नहीं बताया कि क्या वह प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष की मांग करेंगी। वह अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी की राजनीतिज्ञ हैं। वर्ष 2018 में सुश्री पेलोसी ने शपथ ली कि अध्यक्ष के रूप में उनका वर्तमान कार्यकाल अंतिम होगा, लेकिन उन्होंने यह कोई स्पष्ट नहीं किया किया कि उनका इरादा आगे भी प्रतिनिधि सभा का अध्यक्ष बना रहेगा। पेलोसी (81 वर्षीय) ने 1987 से कांग्रेस में काम किया है और वह प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष के रूप में अपने चौथे कार्यकाल में सेवा दे रही हैं।

तुर्की में कोरोना संक्रमण के 76,341 नए मामलों की पुष्टि

अंकारा। तुर्की में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 76,341 नए मामलों की पुष्टि होने के साथ देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1.10 करोड़ के पार पहुंच गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश में इस महामारी से अभी तक 1,10,90,493 लोग प्रभावित हो चुके है और इस जानलेवा वायरस से 174 और लोगों की जान जाने से मृतकों के कुल आंकड़े बढ़कर 86,299 हो गये हैं। जबकि पिछले 24 घंटों में 82,203 मरीज इस महामारी का मात दे चुके हैं। देश में पिछले 24 घंटों में 4,18,427 लोगों को कोरोना परीक्षण किया गया है।

यूरोप में ऊर्जा संकट गहराने की आशंका के बीच कतर के नेता से मुलाकात करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन सोमवार को व्हाइट हाउस में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की मेजबानी करेंगे। बाइडन और कतर के अमीर के बीच यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि यदि रूस यूक्रेन पर हमला करता है, तो यूरोप में विद्युत आपूर्ति बाधित हो सकती है और इस समस्या से निपटने के लिए अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी यूरोप की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आकस्मिक योजनाएं बना रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि बाइडन और शेख तमीम बिन हमद अल थानी पश्चिम एशिया की सुरक्षा, वैश्विक विद्युत आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करने और अफगानिस्तान में स्थिति पर चर्चा करेंगे। अफगानिस्तान से पिछले साल अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी और तालिबान के कब्जे के बाद से वहां मानवीय स्थिति खराब हुई है। कतर दुनिया के सबसे बड़े तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्तिकताओं में शामिल है। अमेरिका का मानना है कि कतर उन देशों में शामिल है, जो यूक्रेन पर रूस के हमले की स्थिति में ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने पर यूरोप की मदद कर सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने कहा, कश्मीर और लद्दाख से कब्जा छोड़े पाकिस्तान

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान के आरोपों की धज्जियां उड़ाते हुए भारत ने पाकिस्तान से अपने गिरबां में झांकने को कहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने पाकिस्तान से कश्मीर और लद्दाख से अवैध कब्जा छोड़ने की बात भी कही। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के प्रतिनिधि मुनीर अहमद ने न सिर्फ एक बार फिर कश्मीर का राग छेड़ा, बल्कि भारत पर पाकिस्तान के भीतर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप भी लगा दिया। इसके बाद भारत ने न सिर्फ कश्मीर मुद्दे पर, बल्कि पाकिस्तान के पूरी सोच व विचार प्रक्रिया पर उसे घेरते हुए करारा प्रहार किया। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के स्थायी मिशन के सलाहकार आर मधुसूदन ने साफ कहा कि पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। अब पाकिस्तान के प्रतिनिधि को जो भी मानना है वे मानते रहें, इससे वास्तविकता नहीं बदल जाएगी। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के कश्मीर व लद्दाख के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने पाकिस्तान से अपने अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को तुरंत खाली करने की बात भी कही। भारत पर पाकिस्तान में आतंक को बढ़ावा देने के आरोप पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने गिरेबां में झांके। खुद पाकिस्तान का इतिहास रहा है कि वह न सिर्फ आतंकवादियों को पनाह देता रहा है, बल्कि उनकी मदद भी करता रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को सबसे बड़ी संख्या में पनाह देने वाला देश भी पाकिस्तान ही है।

डब्ल्यूएचओ महानिदेशक टेड्रोस को मिलेगा दूसरा कार्यकाल, अमेरिकी मदद में कटौती

जेनेवा। कोरोना महामारी के दौरान अमेरिकी आलोचना के बावजूद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस को इस दायित्व का दूसरा कार्यकाल मिलने जा रहा है। इस बीच अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी जाने वाली आर्थिक मदद में 25 प्रतिशत की कटौती कर दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस को संगठन के कार्यकारी बोर्ड ने संगठन के कार्यकारी बोर्ड ने दूसरे कार्यकाल के लिए नामित कर दिया है। उनका पांच साल का कार्यकाल इसी वर्ष (2022 में) समाप्त हो रहा है। उनकी नियुक्ति पर अंतिम फैसला मई में विश्व स्वास्थ्य महासभा में होगा, किन्तु उनका पुनः महानिदेशक बनना तय माना जा रहा है, क्योंकि उनके अलावा कोई अन्य नामांकन ही नहीं हुआ था। वैसे कोरोना महामारी से निपटने के उनके तरीके की आलोचना अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों ने की थी। इथियोपियाई नागरिक टेड्रोस को अपने ही देश की आलोचनात्मक टिप्पणियों का सामना भी करना पड़ा था। डब्ल्यूएचओ को लेकर अमेरिका की नाराजगी का असर उसकी आर्थिक मदद में कटौती के रूप में सामने आया है। कोरोना महामारी के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन की आलोचना करने वाले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ को दी जाने वाली अमेरिकी मदद में कटौती का फैसला किया था। अब इस पर अमल करते हुए अमेरिका ने 25 प्रतिशत मदद कम कर दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार अमेरिका से विश्व स्वास्थ्य संगठन को लगभग 20 करोड़ डॉलर यानी लगभग 1500 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता में कमी की गयी है।

अफगान महिलाओं ने ओस्लो में तालिबान प्रतिनिधियों को सौंपी मांगें

काबुल। अफगानिस्तान की महिला अधिकार कार्यकताओं ने नॉर्वे की यात्रा पर आए तालिबान प्रतिनिधिमंडल को अधिकारों की मांग करते हुए एक पत्र सौंपा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में महिला अधिकार प्रतिनिधियों में से एक, होदा खामोश ने पिछले सप्ताह गायब हुई दो महिला कार्यकताओं की रिहाई का आह्वान किया। बैठक में भाग लेने वाले एक अन्य अफगान कार्यकर्ता महबूबा सेराज ने कहा कि इस्लामिक अमीरात को बैठक में जो भी वादा किया है, उसे पूरा करना चाहिए। महबूबा सेराज ने कहा, अगर वे इस तरह से जारी रखते हैं, हमें कुछ बताते हैं और कुछ और करते हैं, तब विश्वास पूरी तरह से टूटने वाला है।